Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

सोमवार | 16 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 215 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010



2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81895.24
निफ्टी 25211.45

सर्राफा बाजार

सोना 1,37,850.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 1,95,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 12.29 पतिशत पहुंची

नई दिल्ली। देश में महंगाई के मोर्चे पर एक बार फिर चिंता बढ़ाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। अक्टूबर महीने में थोक महंगाई दर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जबकि सितंबर में यह 11.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इस तरह एक महीने के भीतर थोक महंगाई दर में 0.90 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई है।

सपा के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करेगी कांग्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन की तैयारियां तेज हो गई हैं। दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू होने जा रही है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के साथ होने वाली बैठक के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत पांच नेताओं को शामिल किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली की 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी को शिफ्ट करने के मामले में केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने लाइब्रेरी के लिए उचित व्यवस्था नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सरकार के रवैये पर सवाल उठाए।

बीरभूम में पुलिस एनकाउंटर, 30 से ज्यादा मामलों का आरोपी रतन शेख ढेर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को पुलिस मुठभेड़ में कुख्यात आरोपी रतन शेख की मौत हो गई। उस पर 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। आरोप है कि शुक्रवार शाम उसने एक पुलिस कॉन्स्टेबल को गोली मार दी थी और मौके से फरार हो गया था। रविवार को शांतिनिकेतन के बोलपुर इलाके में पुलिस एनकाउंटर के दौरान उसे गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसे हाल ही में कई मामलों में जमानत मिली थी। मई में राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह पांचवां मामला है।

छठ महापर्व का समापनः अंतिम दिन घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

यूथ इंडिया, नई दिल्ली





चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ विधिवत समापन हो गया। पर्व के अंतिम दिन सुबह से ही देशभर के विभिन्न नदी घाटों, तालाबों और जलाशयों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

छठ महापर्व के अंतिम दिन श्रद्धालु सुबह होने से पहले ही घाटों पर पहुंचने लगे थे। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार व्रतियों ने पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य अर्पित किया। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया गया। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्ति के माहौल ने पर्व की रौनक बढ़ा दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छठ महापर्व के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ पूजा को दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पावन पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और भगवान सूर्य की उपासना का विशेष अवसर है। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

छठ पूजा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। इस पर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना के साथ स्वच्छता, अनुशासन, संयम और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया जाता है। चार दिनों तक चले इस महापर्व का समापन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ।

आईसीसी में फिर जय शाह की बादशाहतः निर्विरोध दूसरी बार चुने गए चेयरमैन, संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



भारतीय क्रिकेट प्रशासन से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। भारत के जय शाह को एक बार फिर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का चेयरमैन चुना गया है। आईसीसी ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। जय शाह का दूसरी बार निर्विरोध चुना जाना भारतीय क्रिकेट के लिए अहम उपलब्धि माना जा रहा है।

आईसीसी के मुताबिक, जय शाह को चेयरमैन पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार की चुनौती नहीं मिली। इसी वजह से उनका दोबारा चयन निर्विरोध हुआ। इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियां आगे भी जारी रहेंगी।

जय शाह ने पहली बार वर्ष 2024 में आईसीसी चेयरमैन का पद संभाला था। इससे पहले वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उनके कार्यकाल में भारतीय क्रिकेट प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर काम किया गया।

दूसरी बार चेयरमैन चुने जाने के बाद अब जय शाह के सामने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के विस्तार, विभिन्न देशों में खेल को लोकप्रिय बनाने और क्रिकेट के भविष्य को मजबूत करने जैसी अहम चुनौतियां रहेंगी। उनके दोबारा चयन को वैश्विक क्रिकेट प्रशासन में भारत के प्रभाव के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सपा कार्यकर्ता की मौत पर भड़का गुस्सा

मैनपुरी। सड़क विवाद के बाद कार से कुचले गए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता की इलाज के दौरान मौत होने से आक्रोश फैल गया। मृतक किशनी क्षेत्र का रहने वाला था और गुरुग्राम में उसका इलाज चल रहा था। रविवार को मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों और ग्रामीणों में गुस्सा भड़क उठा।

जानकारी के मुताबिक, 10 नवंबर को कन्नौज के मलकंठपुर गांव में समोसे की दुकान पर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद कुछ लोगों ने सपा कार्यकर्ता को कार से कुचल दिया था। घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे इलाज के लिए गुरुग्राम ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कार्यकर्ता की मौत से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने रविवार शाम सकरावा थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उनके घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान थाने के बाहर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

मामले की गंभीरता को देखते हुए चार थानों और आठ पुलिस चौकियों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों और परिजनों को समझाकर शांत कराया।

68,500 सहायक अध्यापक भर्ती के अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य के आवास का किया घेराव

- 79 दिनों से जारी है प्रदर्शन, आरक्षण विसंगति दूर कर भर्ती प्रक्रिया पूरी कराने की मांग, पुलिस ने अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती-2018 का मामला एक बार फिर गरमा गया है। भर्ती प्रक्रिया पूरी कराने और आरक्षण संबंधी विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। सुबह करीब 11 बजे बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उनके आवास के बाहर पहुंच गए और नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया।

प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने %केशव चाचा बाहर आओ% के नारे लगाए। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले 79 दिनों से अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को 5 प्रतिशत छूट का लाभ नहीं दिया गया। उन्होंने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा दिए गए आदेश का अनुपालन कराने की मांग उठाई। अभ्यर्थियों का कहना है कि आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों को दूर किए बिना भर्ती प्रक्रिया पूरी करना उनके साथ न्याय नहीं होगा।

अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधे वार्ता कराने और वर्षों से लंबित भर्ती विवाद का समाधान निकालने की मांग की। उनका कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी कराने के साथ आरक्षण संबंधी शिकायतों पर भी सरकार को स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए, ताकि प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके।

डिप्टी सीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया और बसों के माध्यम से ईको गार्डन स्थित धरना स्थल भेज दिया।

फिलहाल 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती-2018 का विवाद एक बार फिर चर्चा में है। अभ्यर्थियों की मांग है कि सरकार राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश पर कार्रवाई करते हुए आरक्षण विसंगति दूर करे और भर्ती प्रक्रिया को अंतिम रूप दे।

वनटांगिया गांव में स्कूल बनवाने पर तत्कालीन सरकार ने दर्ज कराया था मुकदमाः सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया गांवों के विकास और अपने पुराने संघर्षों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वनटांगिया गांव में बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनवाने के कारण तत्कालीन सरकार के दौरान उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय वनटांगिया परिवारों तक शिक्षा और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना बड़ी चुनौती थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वनटांगिया समुदाय के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा है। गांवों में स्कूल की व्यवस्था करने का उद्देश्य बच्चों को बेहतर भविष्य देना था। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और इसके बिना सामाजिक बदलाव की कल्पना नहीं की जा सकती।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'योगी की पाती' के 50 संस्करणों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने इस पुस्तक के माध्यम से समाज तक पहुंचाए गए संदेशों और विकास से जुड़े विचारों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में वनटांगिया परिवारों के जीवन में आए बदलाव और उनके विकास की यात्रा पर भी चर्चा की गई।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार वनटांगिया परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है। इन परिवारों को शिक्षा, आवास, सड़क, बिजली और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि हर परिवार सम्मान और बेहतर अवसरों के साथ जीवन जी सके।

बॉक्स ऑफिस पर रामायण का धमाकाः 11 दिन में 1,384 करोड़ की कमाई

यूथ इंडिया, मुम्बई



रणबीर कपूर और यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायणः पार्ट 1 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के महज 11 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 1,384.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। दूसरे रविवार को फिल्म की कमाई में और तेजी देखने को मिली। इस दिन फिल्म ने करीब 75 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया, जबकि शनिवार को इसकी कमाई 72.90 करोड़ रुपये रही थी। इस तरह एक दिन में फिल्म के कलेक्शन में करीब 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। फिल्म की कमाई के आंकड़े लगातार नए रिकॉर्ड बना रहे हैं।

फिल्म ने दूसरे रविवार को पहले रविवार के मुकाबले बेहतर कारोबार किया। रिलीज के चौथे दिन यानी पहले रविवार को फिल्म ने 56.15 करोड़ रुपये कमाए थे, जबकि दूसरे रविवार को इसका कलेक्शन बढ़कर 75 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस तरह दोनों रविवार की कमाई की तुलना में करीब 33.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। दूसरे वीकेंड के तीन दिनों में फिल्म ने भारत में कुल 196 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 760.60 करोड़ रुपये हो चुकी है। वहीं, घरेलू बाजार में ग्रॉस कलेक्शन 909 करोड़ रुपये और विदेशों में कमाई 475.50 करोड़ रुपये दर्ज की गई है।

रामायणः पार्ट 1 ने केवल 11 दिनों में हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड में अपनी मजबूत जगह बना ली है। फिल्म सबसे यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसने शाहरुख खान की जवान और पठान समेत कई बड़ी फिल्मों के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, दंगल और धुरंधर 2 अभी भी इससे आगे हैं। फिल्म की लगातार बढ़ती कमाई को देखते हुए ट्रेड जगत में इसके आगे के प्रदर्शन पर भी नजर रखी जा रही है।

थाईलैंड के फुकेट में भीषण आग का तांडव- रिसॉर्ट की कमर्शियल बिल्डिंग में 11 लोगों की मौत, 16 घायल

थाईलैंड। दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेट में एक कमर्शियल बिल्डिंग में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, आग सोमवार तड़के लगी और देखते ही देखते आसपास की कई इमारतों तक फैल गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। आग तेजी से फैलने के कारण अग्निशमन कर्मियों को इसे नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 3ः17 बजे उस इमारत में आग लगी, जहां वाहनों को किराए पर देने का कारोबार संचालित होता था। अधिकारियों के अनुसार, दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे तक आग बुझाने का अभियान चलाया। इसके बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसे में घायल हुए 16 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। आग लगने की वास्तविक वजह का पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आग आसपास की इमारतों तक इतनी तेजी से कैसे पहुंची।

आजम खां की ईडी रिमांड खत्म, गाजियाबाद की पीएमएलए कोर्ट में पेशी के बाद न्यायिक हिरासत में भेजे गए जेल

यूथ इंडिया, गाजियाबाद



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार दिन की ईडी रिमांड पूरी होने के बाद गाजियाबाद की पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की अवधि समाप्त होने पर उन्हें अदालत के सामने पेश किया।

ईडी ने आजम खां से चार दिनों तक मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में पूछताछ की। इस दौरान जांच एजेंसी ने मामले से संबंधित विभिन्न पहलुओं और कथित वित्तीय लेनदेन को लेकर जानकारी जुटाई। जांच एजेंसी इस मामले में पहले से ही कई बिंदुओं पर जांच कर रही है।

अदालत में पेशी के दौरान ईडी की रिमांड समाप्त होने के बाद आजम खां को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई के साथ ही ईडी की चार दिन की पूछताछ की प्रक्रिया समाप्त हो गई।

आजम खां की पेशी और न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता की कानूनी मुश्किलें लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अब इस मामले में आगे की सुनवाई और जांच एजेंसी की कार्रवाई पर सभी की नजरें रहेंगी।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मेलाघाट छठ घाट पर उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

यूथ इंडिया, खटीमा



उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सोमवार सुबह खटीमा के मेलाघाट स्थित बाइस पुल छठ घाट पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठ महापर्व का समापन किया। घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने छठी मैया और भगवान सूर्य की आराधना करते हुए प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने छठ पर्व को आस्था, तपस्या, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं भी दीं।

छठ पूजा के अंतिम दिन सुबह से ही मेलाघाट के बाइस पुल छठ घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने नदी और जलाशयों के किनारे खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। पूजा के दौरान छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्ति से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी से कार्यक्रम में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व समाज में एकता, समर्पण और लोक संस्कृति को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने प्रदेश की निरंतर प्रगति और सभी नागरिकों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

महाकाल की धरती पर आने से कोई नहीं रोक सकताः दिलजीत दोसांझ

यूथ इंडिया, इंदौर



रविवार को पंजाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ का शानदार कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में प्रशंसक उन्हें सुनने पहुंचे। कार्यक्रम में दिलजीत ने मशहूर शायर राहत इंदौरी को याद करते हुए उनका चर्चित शेर पढ़ा। उन्होंने कहा, ÷सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में, किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है।÷ दिलजीत के इस अंदाज ने कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों का ध्यान खींचा। उनका यह वीडियो और शेर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग उनके इस संदेश को लेकर इंटरनेट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने इंदौर में कार्यक्रम आयोजित करने से पहले सामने आई परेशानियों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके शहर आने और कार्यक्रम को रोकने की कई कोशिशें की गई थीं। इसके बावजूद कार्यक्रम आयोजित हुआ और उन्होंने मंच से अपने प्रशंसकों के साथ खुलकर बातचीत की। दिलजीत ने कहा कि यह महाकाल की धरती है और यहां आने से उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उनके इस बयान के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जोरदार उत्साह दिखाया। सिंगर की बातों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर चर्चा में है।

दरअसल, दिलजीत के कॉन्सर्ट से पहले इंदौर के अलग-अलग संस्थानों को करीब नौ धमकी भरे ई-मेल मिलने की जानकारी सामने आई थी। इन ई-मेल में ऋषङ्ग विस्फोट किए जाने की धमकी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ाने का मामला चर्चा में रहा। इस घटनाक्रम के बीच कॉन्सर्ट का आयोजन होना और दिलजीत का मंच से इस विषय पर प्रतिक्रिया देना लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। हालांकि, धमकी भरे ई-मेल की जांच और उनकी वास्तविकता से जुड़ी आधिकारिक जानकारी अलग से स्पष्ट होना जरूरी है।

कांग्रेस ने सपा से मांगी 181 विधानसभा सीटें, लीक हुई सूची से मचा सियासी हलचल

यूथ इंडिया, लखनऊ

प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। दोनों दलों के बीच गठबंधन और सीटों के तालमेल को लेकर दिल्ली में अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक से पहले कांग्रेस की ओर से मांगी गई सीटों की एक कथित सूची सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

सामने आई सूची के मुताबिक, कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से प्रदेश की 181 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। बताया जा रहा है कि पार्टी ने उन सीटों को प्राथमिकता दी है, जहां उसका संगठन मजबूत है या पहले उसका अच्छा प्रदर्शन रहा है। हालांकि, इस सूची को लेकर दोनों दलों की ओर से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

इस कथित सूची में रायबरेली और अमेठी की सभी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने अपना दावा जताया है। इन दोनों जिलों को कांग्रेस का पारंपरिक राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा है। पार्टी इन क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के साथ ही आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की रणनीति तैयार कर रही है।

अब सबकी निगाहें दिल्ली में होने वाली कांग्रेस और सपा की बैठक पर टिकी हैं। इस बैठक में सीटों की संख्या, क्षेत्रवार दावेदारी और गठबंधन की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। देखना होगा कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस की 181 सीटों की मांग पर क्या रुख अपनाती है और दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे का अंतिम फार्मूला क्या निकलता है।

धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व, 110 घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

यूथ इंडिया, लखनऊ

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर के लक्ष्मण मेला मैदान, झूलेलाल घाट और कुड़िया घाट समेत करीब 110 स्थानों पर श्रद्धालुओं ने छठ पर्व मनाया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग घाटों पर पहुंचे और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। पूरे शहर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला। गोमती नदी के किनारे बने घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।



छठ महापर्व को लेकर शहर के सभी प्रमुख घाटों को बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। घाटों पर रंग-बिरंगी लाइटें, फूलों की सजावट और आकर्षक रोशनी लोगों का ध्यान खींच रही थी। कई स्थानों पर विशेष सजावट और पूजा की व्यवस्थाएं की गई थीं। रात के समय रोशनी से जगमगाते घाटों का नजारा बेहद आकर्षक दिखाई दिया। ऐसा लग रहा था मानो पूरे घाटों को दुल्हन की तरह सजाया गया हो।

छठ पूजा के दौरान घाटों पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रौनक देखने को मिली। कहीं भोजपुरी लोकगीतों की मधुर धुन सुनाई दे रही थी तो कहीं छठी मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो रहा था। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पूजा की तैयारियों में जुटी रहीं। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ छठी मैया की आराधना की। गोमती नदी के किनारे आस्था, परंपरा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

लखनऊ में मनाए गए इस महापर्व ने धार्मिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं की खूबसूरत तस्वीर पेश की। शहर के अलग-अलग इलाकों में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ छठ पूजा में भाग लिया। घाटों की आकर्षक सजावट, भोजपुरी गीतों की गूंज और छठी मैया के जयकारों ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान परिवारों और बच्चों में भी खास उत्साह देखने को मिला। छठ महापर्व के आयोजन ने एक बार फिर लखनऊ में लोक आस्था और परंपरा की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

राजेपुर के रोजगार सेवकों ने बुलंद की आवाज, एडीओ पंचायत अजीत पाठक को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

- 24 हजार रुपये मानदेय, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और ईपीएफ-ईएसआई की मांग को लेकर लामबंद हुए रोजगार सेवक
- 3 दिसंबर को लखनऊ में विधानसभा घेराव का ऐलान

यूथ इंडिया, अमृतपुर



ग्राम रोजगार सेवकों की लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर अब आंदोलन की आहट ब्लॉक स्तर तक पहुंच गई है। विकास खंड राजेपुर के समस्त ग्राम रोजगार सेवकों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में सहायक विकास अधिकारी पंचायत अजीत पाठक को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

रोजगार सेवकों ने सरकार से वर्षों से लंबित मांगों का शीघ्र निस्तारण कराकर सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा का लाभ दिलाए जाने की मांग उठाई।ज्ञापन के माध्यम से रोजगार सेवकों ने मांग की कि उनका मानदेय बढ़ाकर न्यूनतम 24 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए तथा इसके लिए स्थायी बजट की व्यवस्था सुनिश्चित हो। इसके साथ ही रोजगार सेवकों एवं उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, ईपीएफ एवं ईएसआई का लाभ देने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में उनकी भूमिका और अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग की गई।

रोजगार सेवकों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने और ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को गति देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इसके बावजूद लंबे समय से उनकी समस्याएं लंबित हैं। ऐसे में अब प्रदेशभर के रोजगार सेवक अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए एकजुट हो रहे हैं।गौरतलब है कि 13 नवंबर को लखनऊ के जवाहर भवन में प्रदेश के विभिन्न संगठनों की बैठक में ग्राम रोजगार सेवक संघर्ष मोर्चा उत्तर प्रदेश का गठन किया गया था। बैठक में आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 नवंबर को सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

इसके बाद 2 दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने तथा 3 दिसंबर को लखनऊ में विधानसभा घेराव का कार्यक्रम तय किया गया है।राजेपुर में ज्ञापन सौंपने के दौरान रोजगार सेवकों ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए कहा कि जब तक उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। इस मौके पर प्रबल प्रताप अभय सिंह गंगादीन आशीष कुमार जगतपाल उमेश चंद्र संजय सिंह समेत अन्य रोजगार सेवक मौके पर मौजूद रहे।

गैंगस्टर मामले में कुर्क संपत्तियों पर डीएम का आदेश निरस्त

- अब नए सिरे से होगा निस्तारण

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में कुर्क की गई संपत्तियों को मुक्त कराने के मामले में विशेष न्यायालय गैंगस्टर एक्ट ने महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। विशेष न्यायाधीश अंकित कुमार मित्तल ने शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू के प्रत्यावेदन को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट की ओर से 26 नवंबर 2025 को पारित आदेश निरस्त कर दिया है। न्यायालय ने पूरे प्रकरण को दोबारा विधि के अनुसार निस्तारित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास वापस भेज दिया है।

मामले के अनुसार शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू और अन्य के खिलाफ फतेहगढ़ कोतवाली में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर पांच सितंबर 2024 को जिला मजिस्ट्रेट ने शिव प्रताप सिंह, उनके परिजनों और सहयोगियों के नाम दर्ज संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश जारी किया था। इस कार्रवाई के विरोध में शिव प्रताप सिंह, उदय प्रताप सिंह, गोपाल प्रताप सिंह, अलका सिंह और पवन सिंह ने अपनी-अपनी संपत्तियों को कुर्की से मुक्त कराने के लिए अलग-अलग प्रत्यावेदन दाखिल किए थे।

इन प्रत्यावेदनों पर सुनवाई के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने 26 नवंबर 2025 को सभी प्रार्थनापत्र खारिज कर दिए थे और मामले को आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय भेज दिया था। इसके बाद शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू ने गैंगस्टर एक्ट के मूल मुकदमे को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

प्रकरण में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब सर्वोच्च न्यायालय ने 20 अगस्त को गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे और उससे संबंधित आरोपपत्र की कार्यवाही निरस्त कर दी। इस आदेश के अनुपालन में पांच सितंबर को संबंधित न्यायिक कार्यवाही भी समाप्त कर दी गई। इसके बाद शिव प्रताप सिंह की ओर से विशेष न्यायालय में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत कर दलील दी गई कि जब मूल गैंगस्टर मुकदमा ही सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निरस्त किया जा चुका है तो उसी मुकदमे के आधार पर कुर्क संपत्तियों को मुक्त कराने के प्रत्यावेदन खारिज करने वाला जिला मजिस्ट्रेट का आदेश भी पुनर्विचार योग्य है।

विशेष लोक अभियोजक और आवेदक पक्ष के अधिवक्ता की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने जिला मजिस्ट्रेट का 26 नवंबर 2025 का आदेश निरस्त कर दिया। न्यायालय ने प्रकरण को नए सिरे से विधि के अनुसार निस्तारित करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट को वापस भेजते हुए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखकर शीघ्र निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।

इस मामले में शिव प्रताप सिंह उर्फ चीनू के अलावा बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संजीव पारिया और अनुपम दुबे भी आरोपी थे।

प्रदेश में खण्ड विकास अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले, 239 अधिकारियों की जारी हुई सूची

लखनऊ। प्रदेश शासन के ग्राम्य विकास अनुभाग-1 ने प्रदेश में खण्ड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के स्थानांतरण की सूची जारी कर दी है। 15 नवंबर 2026 को जारी आदेश में कुल 239 अधिकारियों के स्थानांतरण एवं नवीन तैनाती का विवरण शामिल है। शासन की ओर से जारी सूची के अनुसार अधिकारियों को वर्तमान तैनाती वाले जनपदों से दूसरे जनपदों में भेजा गया है। इस फेरबदल में लखनऊ, फर्रुखाबाद, कानपुर, प्रयागराज, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर, सीतापुर, हरदोई समेत प्रदेश के विभिन्न जनपद शामिल हैं। जारी स्थानांतरण सूची में फर्रुखाबाद जनपद के लिए भी नई तैनाती की गई है। सूची के क्रमांक 199 पर दर्ज प्रीति वर्मा का स्थानांतरण बाराबंकी से फर्रुखाबाद किया गया है। उनके नाम के सामने नवीन तैनाती जनपद फर्रुखाबाद दर्ज है। सूची के क्रमांक 34 पर दर्ज सरजना शुक्ला का स्थानांतरण लखनऊ से सीतापुर किया गया है। वहीं अयोध्या से अखिलेश कुमार मिश्रा को लखनऊ भेजा गया है। हरदोई से प्रतिमा शर्मा को भी लखनऊ में नई तैनाती दी गई है। शासन की सूची में कुछ अधिकारियों के स्थानांतरण निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और न्यायालय में विचाराधीन मामलों के अधीन रखे गए हैं। ऐसे मामलों में आदेश में विशेष शर्तों का उल्लेख किया गया है। इस स्थानांतरण सूची में कुल 239 अधिकारियों के नाम शामिल हैं। शासन के इस आदेश से विभिन्न जनपदों में ग्रामीण विकास से जुड़े प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारियों में बदलाव होगा।

तेज रफ्तार ईको कार ने दो बाइकों में मारी टक्कर

- तीन महिलाओं समेत चार घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद







मेरापुर थाना क्षेत्र में नगला सूदन के पास रविवार देर रात तेज रफ्तार ईको कार ने सामने से आ रही दो बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन महिलाओं समेत चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल एक युवक को उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के अखई नगला गांव निवासी सुमित अपनी बहन अमृता और परिवार की दो चचेरी बहनों के साथ मेरापुर थाना क्षेत्र में रिश्तेदारी में गए थे। रविवार देर रात सभी दो अलग-अलग बाइकों से अपने घर लौट रहे थे। एक बाइक सुमित चला रहे थे, जबकि दूसरी बाइक की कमान उनकी बहन अमृता के हाथ में थी।

बताया गया कि नगला सूदन के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ईको कार ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी को लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया।

लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में चिकित्सकों ने सुमित की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया, जबकि अन्य तीन घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है।

डॉ. आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 1045 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा



- जिले के 10 केंद्रों पर हुआ आयोजन, 1375 परीक्षार्थियों ने कराया था पंजीकरण

यूथ इंडिया, उरई,जालौन

भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वावधान में रविवार को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर डॉ. आंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 1375 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 1045 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य बहुजन महापुरुषों के जीवन, संघर्ष, विचारों और सामाजिक योगदान से विद्यार्थियों एवं युवाओं को परिचित कराना था। परीक्षा में बहुजन महापुरुषों के जीवन पर आधारित प्रश्न पूछे गए।

परीक्षा के सफल आयोजन में सेक्टर मजिस्ट्रेट दीपक कुमार, महेंद्र सिंह दोहरे, पुनीत कुमार भारती, दिनेश कुमार निरंजन, राजेंद्र पाल, जीवनराम कुशवाहा, संत कुमार कठेरिया, शैलेंद्र नाथ और राम अवतार सहित अन्य लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएम डॉ. अंकुर लाठर ने सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

- फतेहगढ़ कलेक्ट्रेट से अभियान का शुभारंभ,
- यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करेगा प्रचार वाहन

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में सड़क सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर ने फतेहगढ़ स्थित कलेक्ट्रेट परिसर से सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अभियान के माध्यम से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रचार वाहन के जरिए वाहन चालकों और आम नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क पर सावधानी बरतने का संदेश दिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए लोगों से वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा यातायात नियमों की अनदेखी न करने की अपील की।

अभियान का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और लापरवाही के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाना है।

दिवाली और छठ के बाद केजीएमयू की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भारी भीड़

लखनऊ। सोमवार को दिवाली और छठ पूजा के बाद मेडिकल यूनिवर्सिटी और सरकारी अस्पतालों की ओपीडी खुलते ही मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (चत्तरू) में सुबह 5 बजे से ही मरीजों और उनके तीमारदारों की लाइन लगनी शुरू हो गई। नई ओपीडी के बाहर करीब एक किलोमीटर तक लंबी कतार देखने को मिली। त्योहारों के कारण पिछले लगभग एक सप्ताह से ओपीडी में मरीजों की संख्या कम थी, लेकिन सोमवार को अस्पताल खुलते ही बड़ी संख्या में लोग इलाज कराने पहुंच गए। सुबह करीब 8 बजे ओपीडी भवन खुलने के बाद मरीजों और उनके तीमारदारों को परिसर में प्रवेश दिया गया। इसके बाद रजिस्ट्रेशन, टोकन लेने और डॉक्टरों को दिखाने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

प्रदेश में तहसीलदारों के बड़े पैमाने पर तबादले, राजस्व परिषद ने जारी किए आदेश

लखनऊ। प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल के तहत तहसीलदारों के बड़े पैमाने पर स्थानांतरण किए गए हैं। राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से 16 नवंबर 2026 को स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है।

जारी आदेश में विभिन्न जनपदों में तैनात तहसीलदारों को दूसरे जनपदों में नई तैनाती दी गई है। स्थानांतरण सूची में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, बरेली, अलीगढ़ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपद शामिल हैं।

परमात्मा की शरणागति में ही जीवन की वास्तविक सुरक्षा और परम आनंदः शिवाकान्त जी महाराज

- गजेंद्र मोक्ष की कथा से भक्तों को बताया भक्ति और समर्पण का महत्व, कविता तिवारी के ओजस्वी काव्य पाठ ने बांधा समां

यूथ इंडिया, कानपुर नगर





नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित श्रीनगर में आयोजित सासाहिक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा एवं इच्छापूर्ति महायज्ञ में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक परम पूज्य पंडित शिवाकान्त जी महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्ति, समर्पण और परमात्मा की शरणागति का महत्व बताया। कथा के दौरान उन्होंने गजेंद्र मोक्ष प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि संसार रूपी भवसागर में मनुष्य अनेक कठिनाइयों और संघर्षों से गुजरता है। ऐसे में परमात्मा की शरणागति ही जीवन की वास्तविक सुरक्षा, शांति और परम आनंद का मार्ग है।

महाराज श्री ने गजेंद्र मोक्ष प्रसंग की व्याख्या करते हुए बताया कि गजेंद्र जीव का प्रतीक है और सरोवर भवसागर का प्रतीक है। जिस प्रकार गजेंद्र संकट में फंसने के बाद भगवान को पुकारता है और प्रभु उसका उद्धार करते हैं, उसी प्रकार जब मनुष्य पूर्ण हृदय से परमात्मा के प्रति समर्पण करता है तो भगवान स्वयं उसकी रक्षा करते हैं और उसे परम गति प्रदान करते हैं।

कथा के दौरान महाराज श्री ने समुद्र मंथन, भगवान के कूर्म अवतार, वामन अवतार तथा राजा बलि के पावन चरित्र का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा और धर्म की मर्यादा बनाए रखने के लिए समय-समय पर विभिन्न रूपों में अवतार लेते हैं।

भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाते हुए महाराज श्री ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म, अत्याचार और अन्याय बढ़ता है तथा धर्म की हानि होती है, तब भगवान अवतार लेकर दुष्टों का संहार और धर्म की पुनर्स्थापना करते हैं। भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग और कर्तव्य का आदर्श है, जबकि भगवान श्रीकृष्ण का चरित्र प्रेम, भक्ति, करुणा और धर्म की रक्षा की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कवयित्री कविता तिवारी ने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण काव्य पाठ से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत उनकी कविताओं ने उपस्थित जनसमूह में मातृभूमि के प्रति समर्पण, राष्ट्रप्रेम और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। उनके काव्य पाठ पर श्रद्धालुओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

विद्युत/याँत्रिक वृत्त, लो0नि0वि0,
कानपुर

पत्रांकः-1817C/4C-EMC/2026-27 दिनांकः 12.11.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु टू बिड सिस्टम पर प्रतिशत दरों के आधार पर ऑनलाईन निविदाएं https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 18.11.2026 से दिनांक 30.11.2026 दोपहर 12ः00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं की टेक्निकल बिड गठित समिति द्वारा दिनांक 30.11.2026 अपरान्ह 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रु0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद कानपुर नगर स्थित राजकीय अनावासीय भवनों में वार्षिक विद्युत अनुरक्षण का कार्य।	9.82 +G.S.T Extra	0.99	90 दिन	766.00	लो0नि0वि0. उ0प्र0 में विद्युत कार्यो हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ऐसे ठेकेदार जिन्हें समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।
2	जनपद फर्रुखाबाद (फतेहगढ़) स्थित राजकीय आवासीय कालोनियों में वार्षिक विद्युत अनुरक्षण का कार्य।	12.84 +G.S.T Extra	1.29	90 दिन	766.00	लो0नि0वि0. उ0प्र0 में विद्युत कार्यो हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ऐसे ठेकेदार जिन्हें समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।
3	जनपद कानपुर नगर स्थित राजकीय आवासीय कालोनी रावतपुर (पुरानी एवं नयी), डी0एम0 कम्पाउण्ड एवं सर्किट हाऊस कालोनी में वार्षिक विद्युत अनुरक्षण का कार्य।	20.36 +G.S.T Extra	2.04	90 दिन	854.00	लो0नि0वि0. उ0प्र0 में विद्युत कार्यो हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ऐसे ठेकेदार जिन्हें समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।
4	जनपद कानपुर नगर स्थित राजकीय आवासीय कालोनी मैकराबर्टगंज, लक्ष्मणबाग, पी0डी0 वर्कशाप, बाबूपुरवा व रायापुरवा, मेडिकल कालेज एवं गोविन्द नगर कालोनी में वार्षिक विद्युत अनुरक्षण का कार्य।	17.31 +G.S.T Extra	1.74	90 दिन	854.00	लो0नि0वि0. उ0प्र0 में विद्युत कार्यो हेतु ए श्रेणी में पंजीकृत ऐसे ठेकेदार जिन्हें समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।

शासनादेश संख्या-1/2018/3070/78-2-2018/42 आई0टी0/2017 (22), दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग / कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेंगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डॉक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदाओं से सम्बन्धित नियम / शर्तें तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

आर0ओ0सं0: 261026
दिनांकः 14.11.2026

(एम0 सी0 आर्या)
अधिशासी अभियन्ता,
वि0/याँ0 खण्ड, लो0नि0वि0,
कानपुर

(ए0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता,
विद्युत/याँत्रिक वृत्त, लो0नि0वि0,
कानपुर

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा- उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।

वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'ज़ान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचार: फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

सम्पादकीय

11 जिंदगियां खत्म, आखिर कब गंभीर होगी दुनिया इमारतों की अग्नि सुरक्षा को लेकर?



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

थाईलैंड के प्रमुख पर्यटन द्वीप फुकेट में भीषण आग ने एक बार फिर आधुनिक इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक तैयारियों और अग्निशमन इंतजामों की पोल खोलने वाले सवाल खड़े कर दिए हैं। एक कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग ने 11 लोगों की जिंदगी छीन ली, जबकि 16 लोग घायल हो गए। आखिर विकास और व्यावसायिक गतिविधियों की दौड़ में इंसानी जिंदगी की सुरक्षा पीछे क्यों छूट जाती है? थाईलैंड के खूबसूरत पर्यटन स्थल फुकेट में सोमवार की सुबह एक ऐसी त्रासदी लेकर आई, जिसने पूरे इलाके को दहशत और मातम में डुबो दिया। जिस स्थान पर सामान्य दिनों में कारोबार और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियां संचालित होती थीं, वहां अचानक आग ने ऐसा विकराल रूप धारण किया कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। एक कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग देखते ही देखते आसपास की कई इमारतों तक फैल गई। इस भीषण हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य घायल हो गए। यह घटना केवल एक अग्निकांड नहीं, बल्कि उन व्यवस्थागत खामियों पर गंभीर सवाल है, जिनकी कीमत अक्सर आम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

पुलिस के मुताबिक, आग सोमवार तड़के स्थानीय समयानुसार करीब 3 बजकर 17 मिनट पर उस इमारत में लगी, जहां वाहनों को किराये पर देने का कारोबार संचालित किया जाता था। सुबह का वह वक्त था, जब अधिकांश लोग आराम कर रहे होते हैं और किसी अनहोनी की आशंका भी नहीं होती। ऐसे में अचानक लगी आग ने लोगों को संभलने का अवसर नहीं दिया। आग की लपटें तेजी से फैलती चली गईं और देखते ही देखते आसपास की कई इमारतें भी इसकी चपेट में आ गईं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। अग्निशमन कर्मियों को करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में सफलता मिली। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

इस हादसे का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आखिर आग इतनी तेजी से कैसे फैल गई? क्या संबंधित इमारत में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण मौजूद थे? क्या वहां आग से बचाव के लिए जरूरी इंतजाम किए गए थे? क्या आपातकालीन निकास की पर्याप्त व्यवस्था थी? और क्या आसपास की इमारतों को इस तरह बनाया गया था कि एक स्थान पर लगी आग दूसरे प्रतिष्ठानों तक आसानी से न पहुंच सके? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि व्यावसायिक भवनों की सुरक्षा को केवल कागजी औपचारिकता मानना कितना खतरनाक हो सकता है। दुनिया के अनेक देशों में बड़ी-बड़ी इमारतें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल और पर्यटन केंद्र तेजी से विकसित हो रहे हैं। इन निर्माण गतिविधियों के पीछे आर्थिक विकास, रोजगार और पर्यटन को बढ़ावा देने का उद्देश्य होता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन सबके बीच बुनियादी सुरक्षा मानकों को उतनी ही प्राथमिकता दी जाती है? किसी भी इमारत की खूबसूरती, उसका आकार और उसकी व्यावसायिक उपयोगिता तभी सार्थक है, जब वहां आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो। यदि किसी भवन में आग बुझाने के उपकरण काम नहीं करते, आपातकालीन रास्ते उपलब्ध नहीं होते या समय पर चेतावनी देने वाली व्यवस्था नहीं होती, तो ऐसी इमारतें लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

फुकेट में आग तड़के लगी। यह समय किसी भी अग्निकांड के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि रात और सुबह के शुरुआती घंटों में लोगों की सतर्कता कम रहती है। यदि किसी इमारत में लोग मौजूद हों तो उन्हें खतरे का पता चलने, सुरक्षित स्थान तक पहुंचने और बाहर निकलने में अधिक समय लग सकता है। ऐसे समय में अलार्म सिस्टम, आपातकालीन रोशनी, स्पष्ट निकास मार्ग और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।



प्रधान संपादक

सोशल मीडिया को बनाएं डिजिटल पाठशाला: मनोरंजन के साथ ज्ञान का माध्यम

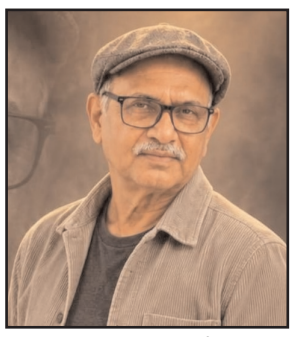

डॉ. विजय गर्ग

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। बच्चे हों या युवा, विद्यार्थी हों या बुजुर्ग, लगभग हर आयु वर्ग के लोग फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। सामान्यतः सोशल मीडिया को मनोरंजन, समय बिताने और अपनी गतिविधियां साझा करने का माध्यम माना जाता है, लेकिन इसका सही उपयोग इसे एक प्रभावशाली डिजिटल पाठशाला में बदल सकता है।

आज इंटरनेट पर ज्ञान का विशाल भंडार उपलब्ध है। यूट्यूब पर विज्ञान, गणित, इतिहास, भाषा, कंप्यूटर और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित हजारों उपयोगी व्याख्यान उपलब्ध हैं। विद्यार्थी घर बैठे विशेषज्ञ शिक्षकों से पढ़ सकते हैं, कठिन विषयों को बार-बार समझ सकते हैं और अपनी शंकाओं का समाधान खोज सकते हैं। विभिन्न शैक्षणिक समूहों के माध्यम से अध्ययन सामग्री, ई-पुस्तकें, प्रश्नपत्र और महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जा सकती हैं।

सोशल मीडिया का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सीखने की सीमाओं को समाप्त करता है। छोटे शहरों और गांवों में रहने वाले विद्यार्थी भी देश के प्रतिष्ठित शिक्षकों और संस्थानों की शैक्षणिक सामग्री तक पहुंच बना सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकता है।

हालांकि, सोशल मीडिया का उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से करना आवश्यक है। बिना उद्देश्य के रील्स देखना, निरर्थक बहसों में समय गंवाना और लगातार मोबाइल पर सक्रिय रहना विद्यार्थियों की एकाग्रता तथा अध्ययन की आदत को प्रभावित कर सकता है। इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक जानकारी सही नहीं होती। इसलिए विद्यार्थियों को विश्वसनीय स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करनी चाहिए और किसी भी सामग्री को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए।

अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्हें बच्चों को केवल मोबाइल से दूर रहने की सलाह देने के बजाय उसका सकारात्मक उपयोग सिखाना चाहिए। शिक्षक अपने विषय से संबंधित छोटे वीडियो, प्रश्नोत्तरी, शैक्षणिक संदेश और उपयोगी लिंक साझा कर सकते हैं। विद्यार्थी भी अपने मित्रों के साथ ज्ञानवर्धक सामग्री साझा करने की आदत विकसित कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर केवल ज्ञान प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि ज्ञान बांटना भी जरूरी है। विद्यार्थी अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक प्रयोगों, पुस्तक समीक्षा और सीखी गई नई जानकारियों को दूसरों के साथ साझा कर सकते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास, संवाद कौशल और रचनात्मक सोच का विकास होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सोशल मीडिया को केवल मनोरंजन का साधन न समझें, बल्कि इसे सीखने, सिखाने और व्यक्तित्व विकास का माध्यम बनाएं। यदि प्रतिदिन मोबाइल पर बिताए जाने वाले कुछ समय का उपयोग ज्ञान अर्जित करने में किया जाए, तो यही सोशल मीडिया विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है।

याद रखिए, मोबाइल केवल समय बिताने का साधन नहीं, बल्कि ज्ञान की दुनिया का दरवाजा भी है। जरूरत है तो बस उसे सही दिशा में खोलने की।

प्रस्तुति: यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

शिक्षा, समानता और अधिकारों के साथ उज्ज्वल भविष्य की राह



सुनील कुमार वाजपेयी शिवम

प्रत्येक वर्ष 17 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाया जाता है। यह दिवस विद्यार्थियों के अधिकारों, शिक्षा की स्वतंत्रता, समान अवसरों तथा सामाजिक और राजनीतिक चेतना के प्रति उनके योगदान को सम्मानित करने का अवसर है। विद्यार्थी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उनकी प्रतिभा, ऊर्जा, विचारशीलता और संकल्प ही देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करते हैं। यह दिवस केवल विद्यार्थियों के उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था, छात्र अधिकारों और उनके सामने मौजूद चुनौतियों पर विचार करने का भी दिन है।अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस मनाने का इतिहास वर्ष 1939 की एक दर्दनाक घटना से जुड़ा है। उस समय चेकोस्लोवाकिया पर नाजी जर्मनी का कब्जा था। 28 अक्टूबर 1939 को प्राग में विद्यार्थियों ने अपने देश की स्वतंत्रता के समर्थन में प्रदर्शन किया।

इस दौरान पुलिस की गोली से विद्यार्थी जान ओप्लेटल गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। उनके अंतिम संस्कार में शामिल विद्यार्थियों ने भी विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद 17 नवंबर 1939 को नाजी शासन ने विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया, अनेक विद्यार्थियों और शिक्षकों को गिरफ्तार किया तथा नौ विद्यार्थी नेताओं को मृत्युदंड दिया गया। इस घटना की स्मृति में 17 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। विद्यार्थी जीवन मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण काल होता है। इसी अवस्था में ज्ञान, अनुशासन, संस्कार, नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। विद्यार्थी केवल पुस्तकीय ज्ञान अर्जित करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला जागरूक नागरिक भी होता है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विद्यार्थियों की भूमिका उल्लेखनीय रही है।

अनेक युवाओं ने विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज भी विद्यार्थी सामाजिक कुरीतियों, भ्रष्टाचार, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वर्तमान समय में शिक्षा के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। विज्ञान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल माध्यम और वैश्विक प्रतिस्पर्धा ने विद्यार्थियों के सामने अवसरों के नए द्वार खोले हैं। ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल पुस्तकालयों ने ज्ञान तक पहुंच को सरल बनाया है।

लेकिन इन सुविधाओं के बावजूद ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों के बीच संसाधनों की असमानता बनी हुई है। आर्थिक अभाव, महंगी शिक्षा, बेरोजगारी की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, मानसिक तनाव और रोजगार के सीमित अवसर विद्यार्थियों के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। कई बार अपेक्षाओं का अत्यधिक बोझ उनके आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसे में परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय और सरकार की जिम्मेदारी है कि विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल बनाने के बजाय जीवन की चुनौतियों से मुकाबला करने योग्य बनाया जाता है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समान अवसर, सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन्हें अनुशासन, समय की महत्ता, गुरुजनों का सम्मान, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का भी बोध होना चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छी नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार और चरित्रवान नागरिक बनना भी है। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस हमें यह संदेश देता है कि विद्यार्थियों की आवाज को सुना जाए, उनकी प्रतिभा को अवसर मिले और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। शिक्षा को आर्थिक स्थिति, जाति, लिंग अथवा क्षेत्रीय असमानता से मुक्त कर प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

निस्संदेह, आज के विद्यार्थी ही कल के शिक्षक, वैज्ञानिक, चिकित्सक, प्रशासक, उद्यमी, साहित्यकार और जनप्रतिनिधि बनेंगे। इसलिए उनके सपनों को दिशा देना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना पूरे समाज का दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक विद्यार्थी को शिक्षा, सम्मान, समानता और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। क्योंकि सशक्त विद्यार्थी ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की पहचान हैं।

प्रस्तुति: यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

मृत्यु की सच्चाई का बोध ही सिखाता है जीवन को बेहतर ढंग से जीना

यूथ इंडिया

जीवन और मृत्यु एक-दूसरे से जुड़े हुए सत्य हैं। इसके बावजूद अधिकतर लोग मृत्यु के विचार को अपने मन से दूर रखते हैं। वे रोजमर्रा की व्यस्तताओं में इस तरह उलझे रहते हैं, मानो उनका जीवन हमेशा इसी तरह चलता रहेगा। जबकि वास्तविकता यह है कि जीवन सीमित और अनिश्चित है। मृत्यु की इसी सच्चाई का बोध हमें अपने समय का सही उपयोग करने, अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने और जीवन के हर पल को सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है। जब हम जीवन की नश्वरता को स्वीकार कर लेते हैं, तब छोटी-छोटी परेशानियों और मुश्किल हालात को देखने का हमारा नजरिया भी बदलने लगता है। हमें समझ आने लगता है कि जीवन में वास्तव में कौन-सी चीजें महत्वपूर्ण हैं और किन बातों पर अनावश्यक रूप से समय गंवाना उचित नहीं है।

मृत्यु का सत्य सभी मनुष्यों को समानता का एहसास कराता है। दुनिया में बहुत से लोग अपनी पहचान, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति के आधार पर दूसरों से खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन जीवन का अंतिम सत्य यह है कि किसी की सामाजिक हैसियत या आर्थिक स्थिति उसे नश्वरता से अलग नहीं कर सकती। व्यक्ति चाहे कितना भी सफल और प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उपलब्धियां और भौतिक संपत्ति इसी संसार में रह जाती हैं। यह विचार हमें अहंकार से दूर रहने और दूसरों के प्रति संवेदनशील बनने की सीख देता है। जब हम समझते हैं कि जीवन सबके लिए सीमित है, तब रिश्तों की अहमियत, दूसरों की भावनाओं और अपने आसपास मौजूद छोटी-छोटी खुशियों का महत्व पहले से कहीं अधिक महसूस होने लगता है।

महान रूसी साहित्यकार फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की के विचार भी जीवन के इसी गहरे सत्य की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने अपने अतीत को याद करते हुए उन पलों पर अफसोस जताया, जो भ्रम, आलस्य और जीवन को सही ढंग से न समझ पाने के कारण व्यर्थ चले गए। उनके विचारों का सार यह है कि जब इंसान पीछे मुड़कर देखता है और उसे एहसास होता है कि उसने अपने जीवन की कितनी संभावनाओं को पहचानने में देर कर दी, तब मन में गहरी पीड़ा पैदा होती है। जीवन वास्तव में एक अनमोल अवसर है। इसका हर दिन हमें कुछ नया सीखने, बेहतर बनने और अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने का मौका देता है।

प्रस्तुति: यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

महंगाई और आम आदमी की घटती क्रयशक्ति

अवनीश कुमार गुप्ता

महंगाई का प्रश्न केवल बाजार में वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का प्रश्न नहीं है; यह आम आदमी की थाली, परिवार की बचत और भविष्य के सपनों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब आय की गति धीमी पड़ जाती है और खर्चों की रफ्तार तेज हो जाती है, तब आर्थिक संतुलन डगमगाने लगता है। वेतन वही रहता है, लेकिन महीने का बजट छोटा पड़ने लगता है। रसोई से लेकर विद्यालय, अस्पताल से लेकर परिवहन तक हर जगह बढ़ती लागत का दबाव दिखाई देता है। आर्थिक विकास की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ नागरिकों की क्रयशक्ति में दिखाई दे। यदि बाजार समृद्ध होता जाए और परिवार की जेब खाली होती जाए, तो विकास के दावों की सामाजिक कसौटी पर समीक्षा अनिवार्य हो जाती है।

महंगाई का पहला और सबसे प्रत्यक्ष कारण मांग तथा आपूर्ति के बीच असंतुलन है। किसी वस्तु की मांग बढ़े और उसकी उपलब्धता पर्याप्त न हो, तो कीमतों पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। खाद्य पदार्थों के मामले में यह असंतुलन मौसम, कृषि उत्पादन और वितरण व्यवस्था से प्रभावित होता है। अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़, अत्यधिक तापमान और फसल रोग उत्पादन को नुकसान पहुँचाते हैं। परिणामस्वरूप सब्जियों, दालों और अनाज की उपलब्धता घटती है तथा उपभोक्ता को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। इस चुनौती का समाधान केवल बाजार में हस्तक्षेप करने से नहीं होगा। कृषि को मौसम की अनिश्चितताओं के अनुकूल बनाना होगा। सिंचाई, जल संरक्षण, उन्नत बीज, फसल बीमा, मौसम आधारित सलाह और फसल विविधीकरण को प्राथमिकता देनी होगी। खेत में उत्पादन की स्थिरता ही बाजार में कीमतों की स्थिरता का पहला आधार है।

कृषि संकट का दूसरा पहलू उत्पादन के बाद शुरू होता है। किसान खेत में उपज पैदा करता है, लेकिन उसे सुरक्षित रखने, बाजार तक पहुँचाने और उचित मूल्य प्राप्त करने की व्यवस्था अक्सर कमजोर रहती है। भंडारण की कमी, शीतगृहों का अभाव, खराब सड़कें और परिवहन की अधिक लागत उपज को महँगा बना देती हैं। कई बार किसान कम कीमत पर फसल बेचता है, जबकि उपभोक्ता उसी वस्तु के लिए अधिक भुगतान करता है। यह विरोधाभास बताता है कि समस्या केवल उत्पादन की नहीं, बल्कि पूरी कृषि विपणन व्यवस्था की है। ग्रामीण गोदामों, शीतगृहों, खाद्य प्रसंस्करण केंद्रों और बेहतर परिवहन नेटवर्क का विस्तार आवश्यक है। किसान उत्पादक संगठनों को मजबूत करके, मंडियों में पारदर्शी नीलामी और डिजिटल बाजार व्यवस्था विकसित करके किसान तथा उपभोक्ता के बीच अनावश्यक लागत घटाई जा सकती है। खेत से बाजार तक की दूरी जितनी कम और व्यवस्था जितनी पारदर्शी होगी, कीमतों पर दबाव उतना ही घटेगा।

महंगाई की आग को ऊर्जा और परिवहन लागत भी हवा देती है। पेट्रोलियम उत्पाद महँगे होते हैं तो उसका प्रभाव केवल वाहन चालकों पर नहीं पड़ता। माल ढुलाई, कृषि मशीनरी, औद्योगिक उत्पादन और सार्वजनिक परिवहन की लागत भी बढ़ती है। अंततः यह अतिरिक्त बोझ वस्तुओं की कीमतों में शामिल होकर उपभोक्ता तक पहुँचता है।

प्रस्तुति: यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

ध्वनि प्रदूषण से सेहत को हो रहा बड़ा नुकसान

यूथ इंडिया

मानव शरीर में आसपास के वातावरण के अनुसार खुद को ढालने की अद्भुत क्षमता होती है। कई बार हम ऐसी परिस्थितियों के अभ्यस्त हो जाते हैं, जो शुरुआत में हमें असहज करती हैं। उदाहरण के तौर पर, जब कोई व्यक्ति अंधेरे सिनेमाघर से बाहर निकलकर तेज धूप में आता है, तो शुरुआत में आंखों को परेशानी होती है, लेकिन कुछ समय बाद आंखें रोशनी के अनुकूल हो जाती हैं। इसी तरह लगातार शोर के बीच रहने वाले लोग भी धीरे-धीरे तेज आवाजों के आदी हो जाते हैं। हालांकि, किसी आवाज का सामान्य महसूस होना इस बात की गारंटी नहीं है कि वह हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक नहीं है। आज के शहरी जीवन में यातायात, निर्माण कार्य, लाउडस्पीकर, तेज संगीत, मशीनों और भीड़भाड़ के कारण ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती बनता जा रहा है।

ध्वनि प्रदूषण का सबसे सीधा प्रभाव हमारी सुनने की क्षमता पर पड़ता है। अत्यधिक तेज आवाज के संपर्क में लंबे समय तक रहने से कान के अंदर मौजूद बेहद संवेदनशील कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। ये कोशिकाएं आवाज को समझने और मस्तिष्क तक पहुंचाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक बार इनके क्षतिग्रस्त होने पर सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। कई लोगों को कानों में लगातार घंटी बजने, सीटी जैसी आवाज सुनाई देने या आसपास की सामान्य आवाजों को समझने में परेशानी होने लगती है। खास बात यह है कि शोर से होने वाला नुकसान हमेशा तुरंत महसूस नहीं होता। कई बार इसका असर धीरे-धीरे सामने आता है और व्यक्ति को लंबे समय बाद अपनी सुनने की क्षमता में बदलाव का पता चलता है।

अधिक शोर केवल कानों को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इसका असर मानसिक स्वास्थ्य और नींद की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। घर के आसपास यातायात का शोर, हॉर्न, लाउडस्पीकर या निर्माण कार्य की आवाजें रात में नींद में बाधा डाल सकती हैं। लगातार नींद पूरी न होने से दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और तनाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और ऐसे लोगों को अधिक परेशानी हो सकती है, जिन्हें शांत वातावरण में आराम करने की जरूरत होती है। लंबे समय तक शोर के संपर्क में रहने से शरीर की तनाव प्रतिक्रिया सक्रिय रह सकती है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

कई वैज्ञानिक अध्ययनों में लंबे समय तक यातायात और पर्यावरणीय शोर के संपर्क को हृदय संबंधी समस्याओं से जोड़ा गया है। लगातार तेज आवाज शरीर में तनाव बढ़ा सकती है, जिससे रक्तचाप और हृदय की कार्यप्रणाली पर असर पड़ सकता है। कुछ शोधों में ध्वनि प्रदूषण और हृदय रोग, स्ट्रोक तथा टाइप-2 मधुमेह के बढ़ते जोखिम के बीच संबंध भी सामने आया है। हालांकि, इन बीमारियों के पीछे कई अन्य कारण भी जिम्मेदार होते हैं। इसलिए ध्वनि प्रदूषण को अकेला कारण मानने के बजाय इसे स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण पर्यावरणीय कारकों में शामिल करना चाहिए।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को 2.82 लाख के सम्मान, भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से अलंकृत



साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा की साहित्यकार एवं स्तंभकार डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित समारोह में उन्हें 2,51,000 की आजीवन गौरव सदस्यता तथा 31,000 का भिवानी गौरव साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार उन्हें कुल 2,82,000 की सम्मान राशि से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रतिष्ठित नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान भी प्रदान किया गया।

राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. डॉ. प्रियंका 'सौरभ' कवयित्री, साहित्यकार, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार एवं सामाजिक चिंतक हैं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सक्रिय लेखन करते हुए उनके हजारों संपादकीय, लेख एवं विचार-आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनके लेखन के प्रमुख विषय महिला सशक्तिकरण, स्त्री-अस्मिता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोकतांत्रिक मूल्य और समसामयिक सामाजिक सरोकार हैं।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की 12 व्यक्तिगत तथा दो संपादित पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में 'दीमक लगे गुलाब', 'चूल्हे से चाँद तक', 'मौन की मुस्कान', 'खिड़की से झाँकती ज़िंदगी', 'परियों से संवाद', 'बच्चों की दुनिया', 'समय की रेत पर', 'निर्भयें', Fearless और 'आँचल की चुप्पी' शामिल हैं। हरियाणवी भाषा एवं लोकसाहित्य के संरक्षण के लिए भी वे निरंतर सक्रिय हैं। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' का संकलन एवं संपादन उनके इस योगदान को रेखांकित करता है।

उन्हें पूर्व में नारी रत्न पुरस्कार, विश्व हिंदी साहित्य रत्न पुरस्कार, सुपर वुमन अवार्ड, ग्लोबल सुपर वुमन अवार्ड, महिला रत्न सम्मान, नागरिक पत्रकारिता नारद पुरस्कार तथा साहित्यांचल राष्ट्रीय पुरस्कार सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें यूनाइटेड किंगडम, फिलीपींस एवं बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानद डॉक्टरेट उपाधियाँ भी प्राप्त हुई हैं।

अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के सभी सदस्यों तथा जीवनसाथी डॉ. सत्यवान सौरभ को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के संस्कार, परिवार का स्नेह, सहयोग और जीवनसाथी का निरंतर प्रोत्साहन उनकी साहित्यिक एवं रचनात्मक यात्रा की सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। डॉ. सत्यवान सौरभ ने प्रत्येक परिस्थिति में उनके लेखन, साहित्यिक गतिविधियों और वैचारिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास, त्याग, सहयोग और प्रेरणा का प्रतिफल है, जो हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे।

इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष श्री राजेश चेतन, संयोजक श्री प्रमोद शर्मा तथा संघ के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों और पूरे भिवानी परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने निर्णायक मंडल एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि भिवानी की माटी, यहाँ के संस्कार और साहित्यिक परिवार का स्नेह उनकी सबसे बड़ी पूँजी है।

प्रस्तुति: यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रह सकता है। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें।

वृषभ राशि: आज आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। रुका हुआ पैसा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन राशि: आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद हो सकती है। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। अपनी योजनाओं को गोपनीय रखें।

कर्क राशि: आज का दिन मिलाजुला रह सकता है। कामकाज में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन धैर्य से परिस्थितियां संभाल लेंगे। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह राशि: आज आपको करियर में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। अधिकारियों से सहयोग मिलने की संभावना है। व्यापार में नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ सकता है।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रह सकता है। पुराने अधूरे काम पूरे होने के योग हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य और दिनचर्या का ध्यान रखें।

तुला राशि: आज रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। नौकरी में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक राशि: आज आपको अपने काम पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। व्यापार में सोच-समझकर निवेश संबंधी फैसले लें। परिवार में किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा हो सकती है। धैर्य बनाए रखें।

धनु राशि: आज भाग्य का साथ मिल सकता है। नौकरी में नए अवसर सामने आ सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा रह सकता है। यात्रा की योजना बन सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन रखें।

मकर राशि: आज कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति रहेगी। अनावश्यक खर्चों से बचें।

कुंभ राशि: आज नए विचार आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। नौकरी और कारोबार में प्रगति के अवसर मिलेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी भी महत्वपूर्ण फैसले से पहले अच्छी तरह विचार करें।

मीन राशि: आज का दिन खुशियों भरा रह सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

आज का विशेष उपाय: सोमवार को भगवान शिव की पूजा करें और जरूरतमंदों की सहायता करें।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 उ.प्र. से मुद्रित एवं शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 05224613888 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com आर.एन.आई. न. UPHIN/2005/17816
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद फर्रुखाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

अलाव ताप रही महिला को वाहन ने रौंदा, मौत

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में हलिया थाना क्षेत्र में रविवार देर रात घर के सामने अलाव ताप रही महिला को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मजदूरी कर घर लौटे पति ने उसे सड़क किनारे तड़पता देख तुरंत निजी चिकित्सक के पास ले गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।
सोनगढ़ा गांव के झगरहा मुहल्ला निवासी रंजना (32) पत्नी दयाशंकर घर के सामने टिनशेड में पान-मसाले और गुटखा की छोटी दुकान चलाकर परिवार की आजीविका में सहयोग करती थीं। बीती रात रविवार को वह घर के सामने अलाव तापते हुए पति का इंतजार कर रही थीं। पति करीब 10 किलोमीटर दूर भटवारी में राजमिस्त्री का काम करने गए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया और रंजना सड़क किनारे गंभीर हालत में पड़ी रहीं।
कुछ देर बाद घर पहुंचे पति ने उन्हें घायल अवस्था में देखा और निजी साधन से चिकित्सक के पास पहुंचाया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची हलिया थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला रंजना के चार पुत्र और एक पुत्री हैं।
थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पति की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वाहन की तलाश के साथ जांच की जा रही है।

विभिन्न जगहों पर रहने वाले छह लोगों ने मानसिक तनाव के चलते की आत्महत्या

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाले छह लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया।
थाना फेस -3 के प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के गढ़ी गांव में रहने वाले रुद्र प्रताप दोहरे (19) पुत्र सविंदर ने रविवार रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।
थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के कस्बा सूरजपुर मे रहने वाले राघव यादव (21) पुत्र विनोद यादव ने बीती रात को अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।
थाना फेस -2 के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तैयब अली (30) पुत्र अमजद अली थाना क्षेत्र के गेझा गांव में रहते थे। बीती रात को उन्होंने अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।
थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि सत्यम रस्तोगी (32) पुत्र अशोक कुमार ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।
थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि देव कुमार (28) पुत्र विक्रम सिंह ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।
थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि हिमांशु (20) पुत्र अनिल कुमार ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर बीती रात को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने 'योगी की पाती' कॉफी टेबल बुक का किया विमोचन

लखनऊ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर 'योगी की पाती' कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। संवाद यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।
इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपनी शासकीय व्यस्तता के कार्यक्रमों के दौरान मैं मानता था कि उन पहलुओं को जो अनछुए हैं, उन्हें लेकर सामान्य नागरिकों के साथ संवाद कैसे आगे बढ़ाया जाए। इसे मैं अक्सर सोचता था, क्योंकि ऐसे बहुत प्रकरण हमारे सामने सार्वजनिक जीवन मे आते रहे, मेरा सार्वजनिक जीवन 28, 29 वर्ष का हो चुका है। मैं अनुभव किया कि वास्तव में बहुत ऐसे पहलू हैं जो लोगो के दिलोदिमाग में नही होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपमे से बहुत ऐसे लोग हैं जिन्होंने वनटांगिया का नाम पहली बार सुना होगा लेकिन वो हमारे ही बीच के जुड़े लोग थे। 120 वर्ष पहले रेलवे लाइन बिछाने के लिए ब्रिटिश



हुकूमत ने वनों की कटान की। वहां फिर वन लगाने औ? उन्हें रक्षा करें, बदले में कुछ भूमि दिया जाएगा, जिससे भरण पोषण होगा, बाद में वो सभी उपेक्षित होते गए।
योगी ने कहा कि मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से मिला। उनसे वन अधिनियम में संशोधन की बात कही। उस समय के वन मंत्री ने मुझसे कहा कि इस बात की क्या गारंटी ये लोग इतने पुराने हैं। वन अधिनियम में संशोधन हुआ। इसे लागू करना था राज्य सरकारों को। 2007 में हमने केंद्र सरकार से संशोधन करवाया लेकिन ये 2017 तक यह लागू नही हो सका। 2017 में जब मैं मुख्यमंत्री बना तो यही काम सबसे पहले किया। इससे पहले गोरखपुर में प्रशासन से कहता था तो वो भी मुझसे बहस करते थे। मैं उस समय उत्तर प्रदेश के गवर्नर के पास ज्ञापन लेकर आया था। तब मुलायम सिंह मुख्यमंत्री थे। कुशीनगर में एक दर्जन मुसहर जाति के लोगो की मौत हुई थी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि ये वो दौर था, जब एक तरफ प्रदेश में खाद्यान्न घोटाला हो रहा था। दूसरी तरफ मुसहर जाति के लोग भूख से मर रहे थे। मैंने इसके खिलाफ कुशीनगर में एक आंदोलन खड़ा किया था। मैंने गवर्नर से मिलने का समय मांगा तो गवर्नर को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि मैं मिलने आऊंगा। मैं सांसद था।
राजभवन ने मुझसे कहा क्या आप सच मे आएंगे, मैं गोरखपुर से ट्रेन से आ रहा था। मेरे पास राजभवन से लगातार फोन आने लगे। गवर्नर ने कहा कि हमको विश्वास नहीं हो रहा था कि आप आएंगे ! फिर हमने ये लड़ाई लड़ी। आज मुसहर जाति को हमने पूरी तरह सेचुरेट किया है। ये योगी की पाती केवल एक आदेश नही। एक आत्मीय संवाद है। कॉमन मैन के साथ, समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के साथ। इसमे युवा पहलू को लेकर, नारी सम्मान, श्रमिको, किसानों को लेकर समाज के हर तबके को टच किया गया।
विरासत और विकास के अभिनव प्रयास को भी हमने इस पाती के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम किया। मैं आभारी हूँ आपका, मेरे लिए ये संवेदना का विषय है और संवाद को भी अंतिम पायदान तक पहुंचाने का माध्यम है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने किया छठ व्रत का पारण, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लोक आस्था का महापर्व डाला छठ सोमवार को धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। गोमती नदी के पावन तट सहित जिले के विभिन्न घाटों पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया। सुबह होते ही शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।
जिले के प्रमुख छठ घाटों गोपी घाट, अचला घाट, हनुमान घाट, बीबीपुर घाट और बेलाव घाट पर भोर से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाओं ने विधि-विधान से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीघार्यु की कामना की। घाटों पर छठ के पारंपरिक लोकगीतों और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।
अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाओं ने रात में ही पूजा की तैयारियां पूरी कर ली थीं। पूजा की थालियों में फल, सुथनी, केला, अमरूद, नारियल, ठेकुआ और चिउड़ा सहित अन्य पूजन सामग्री सजाई गई थी। तीन दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में महिलाओं ने खरना के बाद निर्जला उपवास रखा और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया।
मान्यता है कि छठ पर्व में भगवान सूर्य और माता षष्ठी की उपासना करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है तथा संतान की लंबी उम्र और खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन की ओर से प्रमुख घाटों पर व्यवस्थाएं की गई थीं। पुलिसकर्मी भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे।

वाराणसी विकास प्राधिकरण को मिले नए सचिव विवेक मिश्रा, मंगलवार को संभालेंगे कार्यभार

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में 55 पीसीएस अधिकारियों के स्थानांतरण होने के बाद वाराणसी विकास प्राधिकरण को नए सचिव के रूप में विवेक मिश्रा मिल गए। विवेक मिश्रा इससे पहले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव के रूप में तैनात थे और प्राधिकरण के कार्यों का अच्छा अनुभव रखते हैं। वाराणसी विकास प्राधिकरण



कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक मिश्रा मंगलवार को अपना कार्यभार संभाल लेंगे।
वही, वाराणसी विकास प्राधिकरण के अभी तक सचिव रहे डॉक्टर वेद प्रकाश मिश्रा को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बना दिया गया है। मंगलवार को ही उनकी वाराणसी से हापुड़ के लिए रवानगी हो जाएगी। डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने वाराणसी शहर के विस्तार कार्य के लिए बहुत सारे कार्य किए हैं।

वाराणसी में चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर लाखों व्रतियों ने पूर्ण किया 36 घंटे का निर्जला व्रत

गंगा-वरुणा के घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, जय छठी मइया के जयघोष से गूंज उठी काशी

भोर से ही घाटों पर जुटे श्रद्धालु, पारंपरिक गीतों और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल



वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में लोकआस्था, श्रद्धा और सूयोर्पासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ विधि-विधान से संपन्न हो गया। इस अवसर पर गंगा और वरुणा नदी के घाटों सहित शहर के सरोवरों, कुंडों, तालाबों और ग्रामीण अंचलों के जलाशयों पर लाखों व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर की पहली किरण के साथ ही पूरा वातावरण छठी मइया के जयघोष और पारंपरिक लोकगीतों से भक्तिमय हो उठा।
सूर्योदय की पहली किरण के साथ व्रतियों ने अर्पित किया अर्घ्य
सोमवार तड़के से ही गंगा और वरुणा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर दउरा लेकर घाटों पर पहुंचीं। दउरे में ठेकुआ, फल, नारियल और पूजन सामग्री सजाई गई थी। इसके बाद महिलाएं कमर भर जल में खड़े होकर भगवान सूर्य के उदय होने की प्रतीक्षा करने लगीं। जैसे ही पूरब दिशा में सूर्य की लालिमा दिखाई दी, व्रतियों ने हाथ जोड़कर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीघार्यु, वंशवृद्धि तथा समाज के कल्याण की कामना की। सूर्योदय के साथ घाटों पर दिखाई दिया यह अद्भुत दृश्य श्रद्धा और भक्ति का अनुपम उदाहरण बना रहा।
छठ गीतों से गूंजते रहे गंगा के घाट
छठ महापर्व के अंतिम दिन काशी के घाटों पर आस्था के साथ लोकसंस्कृति की भी अनूठी छटा देखने को मिली। व्रती महिलाएं पूरी श्रद्धा के साथ पारंपरिक छठ गीत गाकर भगवान सूर्य से उदय होने की मनुहार करती रहीं।

आस्था के महापर्व छठ का उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ समापन

नोएडा।
लोक आस्था का महापर्व छठ का उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने आज सुबह को समापन किया। छठ व्रत की धूम यमुना और हिंडन नदी के विभिन्न घाटों , सेक्टरों, सोसाइटियों और गांवों में बने कृत्रिम तालाबों में देखने लायक रही। सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ ही घाट छठ माता के जयकारों से गूजांयमान हो गए। इस अवसर पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की। अर्घ्य



के बाद व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण किया। एनसीआर में सूर्योदय का समय सुबह 06:44 बजे का रहा। व्रतियों ने सुबह से ही घाटों पर पहुंचकर उषा अर्घ्य की तैयारी पूरी कर ली थी। अर्घ्य के लिए तड़के ही व्रती और उनके परिवारजनों ने सूप-दउरा में ठेकुआ, फल, गन्ना, नारियल समेत पारंपरिक प्रसाद सजा लिया था।
छठ पूजा में उषा अर्घ्य का विशेष महत्व है। अर्घ्य के दौरान व्रती सूर्यदेव और छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं। उषा अर्घ्य के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो गया है।

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' के स्वरों से गूंजे संगम के घाट

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया छठ महापर्व, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ 36 घंटे से अधिक निर्जला ब्रत अनुष्ठान का समापन

प्रयागराज।
'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' और 'होय ना बलम जी कहरिया, बहंगी घाटे पहुंचाय...' जैसे पारंपरिक छठ गीतों से सोमवार की भोर में संगम नगरी के गंगा और यमुना तट गूंज उठे। लोक आस्था और सूयोर्पासना का महापर्व छठ पूजा पूरे श्रद्धाभाव और उल्लास के साथ मनाया गया। सोमवार को उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो गया।
संगम घाट, रामघाट, किलाघाट,



गऊघाट, अश्वमेध घाट, अरैल घाट, छतनाग, झूंसी ,फाफामऊ और श्रृंगवेरपुर सहित गंगा-यमुना के विभिन्न तटों पर बनाए गए छठ घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाओं ने छठी मैया और भगवान सूर्य की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीघार्यु और घर-परिवार की खुशहाली की कामना की।
36 घंटे से अधिक समय तक निर्जला व्रत रखने वाली व्रती महिलाएं सोमवार भोर में ही पूजन सामग्री, फल-फूल और प्रसाद से सजे दउरा तथा सूप लेकर घाटों पर पहुंच गई थीं। गंगा और यमुना के तटों पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य दिखाई दिया।
सूर्य की पहली किरण के इंतजार में व्रती महिलाएं जल में खड़ी होकर आराधना करती रहीं। जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्यदेव की लालिमा दिखाई दी, श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया की आराधना की।

मशीनरी स्टोर में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू, नुकसान का आकलन जारी

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र के महावीरगंज में बीती रात आकाश मशीनरी स्टोर एंड हार्डवेयर की दुकान में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। दुकान मालिक नुनु शर्मा बताए जा रहे हैं। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है।
दुकान से आग की ऊंची लपटें



उठती देखकर आसपास के लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी तेजवीर सिंह दमकल टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।
हालांकि, तब तक दुकान में रखा मशीनरी और हार्डवेयर का सामान आग की चपेट में आकर जलकर राख हो चुका था।
आग से दुकान में लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद दुकान मालिक को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

वनरोज और आवारा गोवंश से किसानों की बढ़ी मुसीबत, रातभर जागकर फसलों की रखवाली करने को मजबूर

खेतों में घुसकर खड़ी फसलें कर रहे नष्ट, किसानों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की उठाई मांग

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में वनरोज (नीलगाय) और आवारा गोवंश किसानों के लिए बड़ी मुसीबत बने हुए हैं। खेतों में खड़ी फसलों को बचाने के लिए किसानों को दिन-रात निगरानी करनी पड़ रही है। इसके बावजूद वनरोज के झुंड और आवारा गोवंश खेतों में घुसकर फसलों को रौंदने और खाने से भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। लगातार बढ़ती इस समस्या से किसानों की मेहनत और खेती की लागत पर पानी फिर रहा है।
ग्रामीणों का कहना है कि फसल की

बुवाई से लेकर कटाई तक उन्हें खेतों की रखवाली करनी पड़ती है। वनरोज के झुंड अचानक खेतों में पहुंचते हैं और देखते ही देखते खड़ी फसल को नष्ट कर देते हैं। वहीं आवारा गोवंश भी खेतों में घुसकर गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हालात यह हैं कि किसान रातभर जागकर खेतों की निगरानी करने को मजबूर हैं। इसके चलते उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है।
किसान रमेश चन्द्र ने बताया कि आवारा गोवंश और नीलगाय के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। बुवाई से कटाई तक फसल की रखवाली करनी पड़ती है। प्रशासन को आवारा गोवंश को गौशालाओं में पहुंचाने और फसलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।
मुन्नू पुत्र जयराम ने कहा कि वनरोज के झुंड और आवारा गोवंश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। दिन-रात मेहनत करने के बाद भी फसल सुरक्षित नहीं रह पा रही है। ददवल पुत्र लल्लूराम ने कहा कि खेती करना अब चुनौती बनता जा रहा है। फसल उगते ही वनरोज और गोवंश खेतों में नुकसान पहुंचाने लगते हैं। प्रशासन को इसका स्थायी समाधान निकालना चाहिए।
वहीं शिवेंद्र सिंह ने बताया कि वनरोज के झुंड खड़ी फसलों को नष्ट कर देते हैं। किसान अपनी मेहनत और लागत बचाने के लिए दिन-रात निगरानी कर रहे हैं, फिर भी नुकसान से बचना मुश्किल हो रहा है।

फरुर्खाबाद : ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौके पर मौत, बेटा और भतीजा गंभीर

फरुर्खाबाद।
उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद में सोमवार सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया । इटावा-बरेली हाईवे पर पांचाल घाट पुल के पास सुबह करीब 5 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में बाइक सवार 45 वर्षीय महिला की मौके पर ही जान चली गई, जबकि उनका 18 वर्षीय बेटा और 22 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।
मिली जानकारी के अनुसार, राजेपुर थाना क्षेत्र के नगला कमालुद्दीनपुर गांव की रहने वाली रेखा (45 वर्ष) के कान में दर्द की शिकायत थी। वह अपने बेटे रोहित (18 वर्ष) के साथ इलाज के लिए



कानपुर जाने वाली थीं। रेखा के देवर का बेटा आशीष (22 वर्ष) उन दोनों को बाइक से रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहा था।
जब तीनों लोग पांचाल घाट पुल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे। इस हादसे में चाची (रेखा) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।
हादसे के बाद एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों, रोहित और आशीष को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया।

उत्तर प्रदेश में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ डाला छठ महापर्व का समापन, घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों व्रतियों ने 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा कर सूर्यदेव से की सुख-समृद्धि की कामना

लखनऊ।
लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व डाला छठ का सोमवार को पूरे उत्तर प्रदेश में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ समापन हुआ। पर्व के चौथे और अंतिम दिन भोर में लाखों व्रती महिलाओं ने नदियों, तालाबों, सरोवरों और जलाशयों के तट पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इसी के साथ 36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत संपन्न हुआ। सूर्यदेव और छठी मइया की आराधना के लिए प्रदेशभर के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। हर ओर छठी मइया के पारंपरिक गीतों, शंखध्वनि और जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

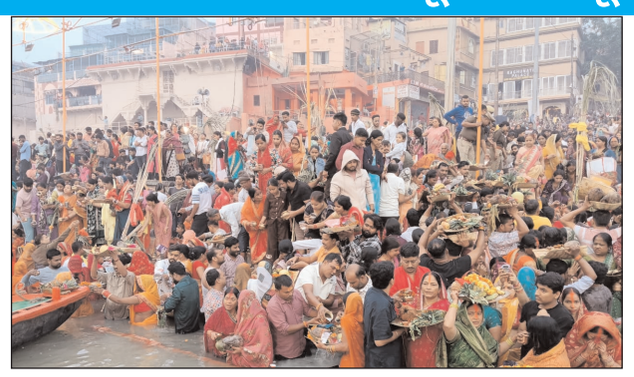

वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, मिजार्पुर, बलिया, आजमगढ़, देवरिया सहित प्रदेश की राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा और झांसी तक छठ महापर्व की अनुपम छटा देखने को मिली। भोर होने से पहले ही व्रती महिलाएं अपने परिजनों के साथ गंगा, गोमती, सरयू, वरुणा, चंद्रप्रभा, रामगंगा और सोन सहित विभिन्न नदियों के घाटों पर पहुंच गई थीं। ईख, फल, दीपक और पूजन सामग्री से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचीं महिलाओं ने विधि-विधान से छठी मइया की पूजा-अर्चना की। अरुणोदय के साथ ही व्रतियों ने दूध और जल से भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीघार्यु और खुशहाली की कामना की।

प्रदेश के प्रमुख नदियों के घाटों के साथ ही तालाबों, सरोवरों और ग्रामीण क्षेत्रों के जलाशयों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। कई स्थानों पर सुबह होते-होते घाटों पर तिल रखने तक की जगह नहीं बची।

काशी के गंगा घाटों पर पूरी रात गूंजते रहे छठी मइया के गीत

काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में डाला छठ की भव्यता देखते ही बनी। दशाश्वमेध, अस्सी, पंचगंगा, सामने घाट, तुलसी घाट, हनुमान घाट, सिंधिया घाट और भैसासुर घाट सहित गंगा के विभिन्न तटों पर हजारों व्रती महिलाएं पूरी रात छठी मइया की आराधना में लीन रहीं। ओस और ठंड के बावजूद महिलाओं के उत्साह और आस्था में कोई कमी नहीं दिखी।

घाटों पर 'उग हो सूरज देव, भइल अरघ के बेर' और 'पुरुबे से उगले नारायण' जैसे पारंपरिक छठ गीतों की मधुर गूंज रातभर सुनाई देती रही। जैसे ही पूरब दिशा में सूर्य की लालिमा दिखाई देने लगी, व्रती महिलाएं जल में खड़े होकर अर्घ्य देने की तैयारी में जुट गईं। सूर्यदेव के उदय होते ही जयकारों और आतिशबाजी से गंगा घाट गूंज उठे। महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारण किया। इसके बाद प्रसाद वितरण और एक-दूसरे को छठ पर्व की शुभकामनाएं देने का सिलसिला शुरू हुआ।

प्रयागराज और लखनऊ में भी घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट के अलावा बलुआघाट, शिवकुटी, अरैल और फाफामऊ घाटों पर हजारों व्रती महिलाओं ने परिवार के साथ पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया।

विधानसभा चुनाव 2027 में मोर्चों के कार्यकर्ता निभाएंगे अहम भूमिका : अनिल सिंह

प्रयागराज।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी मोर्चों के पदाधिकारी केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाएं। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को देखते हुए सभी मोर्चे अभी से क्षेत्रवार कार्ययोजना बनाकर संगठन की गतिविधियों को गति दें। संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं और बूथ स्तर पर उनकी सक्रियता से ही संगठन मजबूत होगा। यह बातें भाजपा यमुनापार के जिला प्रभारी अनिल सिंह ने रविवार को सिविल लाइंस स्थित जिला कार्यालय में चार मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारियों की परिचयात्मक बैठक में कहीं।



उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। अनिल सिंह ने कहा कि किसान मोर्चा, अनुसूचित मोर्चा, महिला मोर्चा और पिछड़ा मोर्चा के पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें। आपसी समन्वय और निरंतर जनसंपर्क के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बनाएं।

आगामी चुनाव को देखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाने के साथ बूथ स्तर पर कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

भाजपा यमुनापार के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। कार्यकर्ता उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के बीच पहुंचें तथा उनके उत्थान और सम्मान के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि किसान, महिला, अनुसूचित और पिछड़े वर्ग के लोगों से मजबूत संवाद स्थापित कर पार्टी की नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना मोर्चों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में जिला प्रभारी अनिल सिंह और जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने सभी नवनियुक्त मोर्चा जिलाध्यक्षों एवं जिला पदाधिकारियों को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया।

खंडहर में चल रही असलहा फैक्ट्री पकड़ी, पाकिस्तानी हैंडलर से जुड़े तार

बरेली ।
बहेड़ी क्षेत्र में खंडहर के अंदर चल रही अवैध असलहा फैक्ट्री का एसओजी और पुलिस की संयुक्त टीम ने भंडाफोड़ किया है। शनिवार देर रात छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मौके से रायफल, पिस्टल, तमंचा, कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। जांच में एक आरोपी के पाकिस्तानी हैंडलर अजमल गुर्जर के संपर्क में होने की बात सामने आई है। रविवार को पुलिस लाइन में एसएसपी अनुराग आर्य ने प्रेसवार्ता कर मामले का खुलासा किया।



पुलिस के मुताबिक, शनिवार देर रात एसओजी प्रभारी सुनील शर्मा और बहेड़ी पुलिस को सूचना मिली कि बरेली-बहेड़ी मार्ग पर गन्ना उत्पादक महाविद्यालय से पहले सड़क किनारे स्थित खंडहर में अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं।

पुलिस टीम ने रात करीब 1:35 बजे घेराबंदी कर छापा मारा और चार आरोपियों को हथियार बनाते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में बहेड़ी के सुखराज सिंह (19), शानू मियां (29), रामपुर के जीवनदीप सिंह (24) और पीलीभीत के जसनूर सिंह (30) शामिल हैं। पुलिस जांच में सुखराज सिंह के मोबाइल से पाकिस्तानी हैंडलर अजमल गुर्जर से संपर्क के साक्ष्य मिले हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए हथियारों की सप्लाई को लेकर बातचीत हुई थी। कई चैट डिलीट मिली हैं। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर संपर्कों की वास्तविक भूमिका पता कर रही है।पूछताछ में इशरत पहलवान का नाम भी सामने आया है, जो पूर्व में हथियार तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। आरोपियों ने उससे असलहा लेने की बात बताई है।

फरार दोनों आरोपी भी उससे जुड़े बताए जा रहे हैं।पुलिस ने मौके से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, नौ एमएम की पिस्टल, 315 बोर की रायफल, 12 बोर की दो अधबनी नाल, शिकंजा मशीन, हथियार बनाने के उपकरण और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

भारतीय न्यायशास्त्र एवं विधि व्यवस्था का भारतीयकरण समय की आवश्यकता : सत्यप्रकाश राय

मुरादाबाद।
एक अधिवक्ता स्वयं में एक संस्था होता है। अधिवक्ता वादकारी और न्यायाधीश के मध्य एक महत्वपूर्ण सेतु होता है तथा एक योग्य, अध्ययनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिवक्ता ही वादकारी को वास्तविक न्याय दिलाने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। यह बातें अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश राय ने रविवार को अधिवक्ता परिषद ब्रज प्रांत की तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद में आयोजित दो दिवसीय प्रांत परिषद बैठक के समापन पर कही।



प्रांत परिषद की बैठक में 26 जनपदों के अधिवक्ताओं ने प्रतिभाग किया।

बैठक में न्यायपालिका एवं अधिवक्ता समुदाय के मध्य समन्वय, विधि व्यवसाय की गरिमा, नैतिकता, अनुशासन तथा समाज में न्याय की स्थापना में अधिवक्ताओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

समापन सत्र में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश राय ने अपने उद्बोधन में भारतवर्ष की प्राचीन न्याय व्यवस्था, भारतीय विधिशास्त्र तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विविध ऐतिहासिक एवं विधिक उदाहरणों के माध्यम से अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक चेतना पर समय-समय पर विदेशी आक्रांताओं द्वारा आघात किए गए। विदेशी आक्रांता अपने साथ अपनी विकृतियां भी लेकर आए और उन्होंने भारतीय संस्कृति, शिक्षा एवं न्याय व्यवस्था को ध्वस्त करने के सुनियोजित प्रयास किए।

हत्या के मामले में फरार चार बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा स्थित थाना रबूपुरा पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे चार बदमाशों को बीती रात को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दो बदमाशों के पैर में लगी है। इन बदमाशों ने 8 नवंबर को एक व्यक्ति की हत्या कर उसके शव को नहर किनारे फेंक दिया था।

पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा जोन श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि थाना रबूपुरा पुलिस रविवार की मध्य रात्रि को यीडा क्षेत्र के सेक्टर 20 के पास चैकिंग कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार होकर कुछ बदमाश आते हुए दिखाई दिए। जब पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश वहां से भागने लगे। पुलिस ने उन्हें पीछा करके घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से दो बदमाश घायल हो गए। उनकी पहचान राजकुमार पुत्र महिपाल निवासी जनपद बुलंदशहर तथा सचिन पुत्र पप्पू निवासी जनपद हापुड़ के रूप में हुई। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

इनके दो साथी कमल पुत्र कालू तथा हरेंद्र उर्फ जितेंद्र मौके से भाग गए थे। इन बदमाशों को पुलिस में कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने दो देशी तमंचे, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, लोहे की राड आदि बरामद किया है। इन बदमाशों ने 8 नवंबर को इस्माइल नामक व्यक्ति की हत्या कर शव को नहर किनारे फेंक दिया था।

सुलतानपुर : खेत के छप्पर में मिला युवक का शव, पुलिस कर रही जांच

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में सोमवार सुबह एक युवक का शव गांव के निकट सार्वजनिक शौचालय के पास खेत में बने छप्पर में मिला है। मृतक रविवार रात से लापता था, परिजनों के अनुसार तीन दिनों से उसे फोन पर धमकी मिल रही थी।

चांदा कोतवाली क्षेत्र के घूरीपुर गांव निवासी मृतक अमन गौतम (19) पुत्र राम चरन के रूप में हुई है। वह रविवार रात 11 बजे से लापता था। अमन का शव गांव से कुछ ही दूर सार्वजनिक शौचालय के पास खेत में बने छप्पर में मिला। शव मिलने की सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक गांव के ही एक किसान का ट्रैक्टर चलाता था। मृतक की मां जानकी के अनुसार, पिछले 3 दिनों से उनके बेटे अमन कुमार के पास फोन आ रहा था और उसे धमकियां दी जा रही थीं। यह बात परसों पता चली थी। वह ट्रैक्टर चलाने और धान धोने का काम करता था। मां के अनुसार उसका चाल-स्वभाव बहुत अच्छा था और वह किसी तरह का नशा नहीं करता था। जानकी ने बताया उनके कुल तीन बच्चे हैं। उनके पति और बड़ा बेटा मुंबई में रहते हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह ने सोमवार को बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। फिलहाल सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

देवरिया : एटीम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 64 कार्ड बरामद

देवरिया।
एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के खातों से रुपये निकालने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के दो सदस्यों को कोतवाली पुलिस ने रविवार को सोनूघाट क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न बैंकों के 64 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपितों ने देवरिया के अलग-अलग इलाकों और बरहज में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी की कई घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है।

पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मोहित निषाद निवासी बशारतपुर, थाना शाहपुर, गोरखपुर और संदीप मिश्रा निवासी गोविंदपुर, थाना सिकरीगंज, गोरखपुर को गिरफ्तार किया।

पराली जलाने में चार किसानों पर 20 हजार रुपये का जुमार्ना

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग ने निगरानी तेज कर दी है। पराली जलाने के मामले सामने आने पर चार किसानों पर पांच-पांच हजार रुपये की दर से कुल 20 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि शासन के निर्देश पर लगातार निगरानी और स्थलीय सत्यापन कराया जा रहा है।

अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर होगी कठोर कार्रवाई : विशेष सचिव

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शासन की मंशा के अनुरूप प्रदेश में अवैध खनन, अवैध परिवहन, ओवरलोडिंग एवं आईएसटीपी (इंटर स्टेट ट्रांजिट पास) के अपवंचन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से डॉ. उज्ज्वल कुमार, निदेशक/विशेष सचिव, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपदों में औचक निरीक्षण एवं क्षेत्रीय भ्रमण किया गया।



खनिज अधिकारी विकास परमार ने रविवार को शाम बताया कि शासन से आए विशेष सचिव व निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म के औचक निरीक्षण के दौरान जनपद कानपुर नगर के नौबस्ता मार्ग पर बिना वैध प्रपत्रों के उपखनिज का परिवहन करते पाए गए पांच वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की गई। इस दौरान खान अधिकारी, कानपुर नगर को अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर पूर्ण नियंत्रण लगाने तथा आईएसटीपी के अपवंचन को रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए। इसके उपरांत निदेशक द्वारा जनपद हमीरपुर में उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई। उन्होंने खान अधिकारी, हमीरपुर को निर्देशित किया कि उपखनिज परिवहन करने वाले प्रत्येक वाहन के पास वैध परिवहन प्रपत्र अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए तथा निर्धारित लोडिंग मानकों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

किसी भी स्थिति में अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग बर्दाश्त न की जाए। औचक निरीक्षण में जनपद महोबा के स्टोन क्रशरों एवं संचालित खनन पट्टों का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में कुछ स्टोन क्रशरों पर उपलब्ध स्टॉक की अनुमानित मात्रा पोर्टल पर दर्ज विवरण के अनुरूप नहीं पाई गई। इस पर ज्येष्ठ खान अधिकारी, महोबा को संबंधित अनियमितताओं के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने तथा सुरक्षा मानकों के अनुरूप खनन गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान स्टोन क्रशर संचालकों एवं खनन पट्टाधारकों के प्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित किया गया। रविवार को निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत निरंतर कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

पीतलनगरी में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया छठ पूजा महापर्व

सोमवार सुबह उगते सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन

मुरादाबाद
लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा पीतलनगरी में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। रामगंगा विहार में रामगंगा नदी घाट, लाइनपार, अमृत सरोवर, बुद्धि विहार, पीएसी आदि समेत अन्य जगहों पर बने छठ घाटों पर व्रती महिलाओं ने छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। सोमवार सुबह सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन हो गया। 36 घंटे से अधिक का निर्जल व्रत रखकर महिलाएं भोर में सूर्यदेव के दर्शन करने के लिए घाट पर पहुंच गई थीं। सूर्यदेव के दर्शन देते ही जब उन्होंने अर्घ्य देने के लिए कलश उठाया तो उनकी आंखों से आस्था के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। इस दौरान कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय, होय ना बलम जी कहरिया, बहंगी घाटे पहुंचाय समेत अन्य पारंपरिक गीत छठ घाटों पर गूंजते रहे। ढोल नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु नाचते और गाते नजर आए। नहाय-खाय के साथ शुक्रवार को शुरू हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व सोमवार को उगते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ। व्रती महिलाओं ने सूर्यदेव की पूजा कर संतान तथा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। मुरादाबाद में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के लिए तैयार घाटों और कृत्रिम तालाबों पर सुबह चार बजे से ही महिलाओं अपने परिवारों के साथ घाट पर पहुंचना प्रारंभ हो गया था।



घर से निकलते हुए घाट पर पहुंचने तक परंपरा के अनुसार महिलाएं रास्ते में माथा टेकती हुई छठी मैया को प्रणाम करती रहीं।

औरैया : सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और नकदी चोरी

शादी में शामिल होने गई थी गृहस्वामिनी, 90 हजार रुपये नकद और ढाई लाख के जेवरात समेत ले गए चोर

औरैया।
उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया में शहर की सैनिक कॉलोनी के पास एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। घटना के समय मकान में कोई मौजूद नहीं था। सोमवार सुबह चोरी की जानकारी मिलने पर इलाके में हड़कंप मच गया।

मकान की गृहस्वामिनी रेहाना ने बताया कि वह अपने देवर की शादी में शामिल होने के लिए घर से बाहर गई थीं। सोमवार सुबह पड़ोसी ने फोन कर मकान में चोरी होने की जानकारी दी। घर पहुंचने पर देखा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर घर में रखे करीब 90 हजार रुपये नकद और लगभग ढाई लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

पुलिस मुठभेड़ में 25-25 हजार रुपये के ईनामी दो बदमाश घायल

नोएडा।
उत्तर प्रदेश के नोयडा स्थित थाना बीटा- दो पुलिस ने सोमवार सुसुबह को पुलिस मुठभेड़ के दौरान 25- 25 हजार रुपए के ईनामी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये बदमाश लूटपाट की वारदातें करते थे। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी है।



पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि थाना बीटा- दो पुलिस आज सुबह को बैरियर लगाकर बदमाशों की तलाश में चेकिंग कर रही थी, तभी डाकिया बाबा गोल चक्कर के पास दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। संदिग्ध होने पर पुलिस ने उन्हें रूकने का इशारा किया।

पुलिस द्वारा रोके जाने के बावजूद बदमाश वहां से भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली दीपू उर्फ पप्पू पुत्र सुरेंद्र निवासी जनपद अलीगढ़ तथा मोनू पुत्र तुलसी निवासी जनपद हमीरपुर के पैर में लगी है।

इनके पास से पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल, दो देशी तमंचे आदि बरामद किया है। ये बदमाश लूटपाट की वारदात करते हैं। इनके गैंग का एक बदमाश मोनू पूर्व में गिरफ्तार हुआ था। इनकी गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। अभियुक्त दीपू के ऊपर पूर्व में आठ तथा मोनू के ऊपर पूर्व में 19 मुकदमे दर्ज हैं।



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (ठ्नक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।

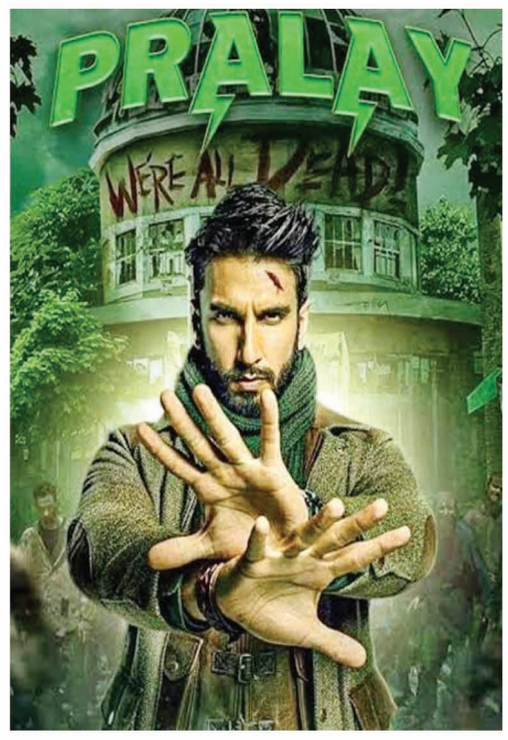





बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



पांचाल घाट पुल पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत, बेटा और भतीजा गंभीर घायल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



इटावा-बरेली हाईवे पर पांचाल घाट पुल के निकट सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की जान चली गई, जबकि उनका बेटा और भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार राजेपुर थाना क्षेत्र के नगला कमालुद्दीनपुर गांव निवासी 45 वर्षीय रेखा पत्नी अपने कान में दर्द की समस्या से परेशान थीं। वह उपचार कराने के लिए अपने 18 वर्षीय बेटे रोहित पाल के साथ कानपुर जाने की तैयारी में थीं। सोमवार तड़के उनका 22 वर्षीय भतीजा आशीष बाइक से दोनों को फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए निकला था।

बताया गया कि सुबह करीब पांच बजे जब उनकी बाइक थाना कादरी गेट क्षेत्र में इटावा-बरेली हाईवे स्थित पांचाल घाट पुल के पास पहुंची, तभी पीछे से आए एक ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। हादसे में रेखा को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि रोहित और आशीष सड़क पर घायल अवस्था में पड़े रहे।

घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रोहित की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया, जबकि आशीष का अस्पताल में उपचार जारी है।

घायल आशीष ने बताया कि वह अपने चाचा और चचेरे भाई को रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी चाची की मौके पर ही मौत हो गई।

एक ही परिवार के तीन लोगों के साथ हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। जिस मां को बेटे के साथ उपचार के लिए कानपुर जाना था, वह रास्ते में ही जिंदगी की जंग हार गई। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो जल सारथी ऐप पर करें शिकायत

- 1641 किलोमीटर सड़क की गई थी क्षतिग्रस्त, अब तक 1617 किलोमीटर का हुआ पुनर्स्थापन
- फोटो और वीडियो अपलोड कर ग्रामीण उठा सकेंगे आवाज

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत नहीं होने से परेशान ग्रामीणों के लिए राहत की खबर है। अब ऐसे मामलों की शिकायत ग्रामीण सीधे जल सारथी ऐप के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। इसके लिए ऐप पर सड़क की मौजूदा स्थिति की फोटो और वीडियो अपलोड करने की सुविधा दी गई है। शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारी जांच कर सड़क की पुनर्स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

जिले में पेयजलापूर्ति योजनाओं के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान लगभग 1641 किलोमीटर सड़कों की खुदाई की गई थी। इनमें से अब तक 1617 किलोमीटर सड़कों की पुनर्स्थापना कराई जा चुकी है। शेष लगभग 24 किलोमीटर सड़कों को भी निर्धारित मानकों के अनुरूप दुरुस्त कराने की कार्रवाई की जा रही है।

आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई कुल सड़कों में से करीब 98.54 प्रतिशत का पुनर्स्थापन पूरा हो चुका है, जबकि लगभग 1.46 प्रतिशत सड़कें अभी मरम्मत की प्रतीक्षा में हैं। इन शेष सड़कों को भी जल्द दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क को पूर्व की स्थिति में बहाल करना संबंधित कार्यदायी एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

सड़क पुनर्स्थापना के कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। स्पष्ट किया गया है कि सड़क मरम्मत में निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य होगा। यदि किसी एजेंसी द्वारा काम में लापरवाही की जाती है तो संबंधित एजेंसी के साथ जिम्मेदार अभियंता की जवाबदेही भी तय की जाएगी। विभाग ने साफ किया है कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिन ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़क खोदी गई है और अभी तक उसकी मरम्मत नहीं हुई है, वहां के निवासी जल सारथी ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए संबंधित सड़क की मौके से फोटो और वीडियो अपलोड करनी होगी। शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अधिशासी अभियंता कासिम हाशमी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जिन स्थानों पर अभी तक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो सकी है, वहां लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। पेयजल योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के साथ पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की पुनर्स्थापना पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के साथ उनके आवागमन को सुगम बनाए रखना भी विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पांचाल घाट पुल पर बीच सड़क रखे पत्थर बने हादसे की वजह, बाइक टकराने से युवक गंभीर घायल

यूथ इंडिया, अमृतपुर



पांचाल घाट पुल पर बीच सड़क रखे पत्थर बने हादसे की वजह, बाइक टकराने से युवक गंभीर घायल

फर्रुखाबाद। पांचाल घाट गंगा पुल पर निर्माण कार्य के दौरान बीच सड़क पर रखे गए बड़े-बड़े पत्थर राहगीरों के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। निर्माण कार्य को लेकर पुल के ऊपर सड़क के बीचोंबीच डिवाइडर के रूप में पत्थर रखे गए हैं, लेकिन रात के अंधेरे में ये पत्थर वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते। इसी के चलते देर रात एक बाइक सवार युवक की बाइक बीच सड़क पर रखे पत्थर से टकरा गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मित्तू कूचा नेहरू रोड निवासी नवनीत पुत्र अनुपम देर रात अपनी बाइक से पांचाल घाट गंगा पुल के ऊपर से गुजर रहा था। इसी दौरान पुल पर निर्माण कार्य के चलते सड़क के बीचोंबीच रखे बड़े पत्थर से उसकी बाइक अचानक टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नवनीत सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और युवक की बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कराया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सड़क के बीच रखे गए भारी पत्थरों के आसपास पर्याप्त संकेतक और सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि रात के समय गुजरने वाले वाहन चालकों को पहले से ही खतरे का अंदाजा हो सके। यदि समय रहते उचित इंतजाम नहीं किए गए तो पुल पर इस तरह के हादसे दोबारा भी हो सकते हैं।

पांचाल घाट पर गंगा तट पर सुहागिनों ने धूमधाम से मनाया छठ पूजा पर्व, सूर्य देव को दिया अघय

यूथ इंडिया, अमृतपुर



पांचाल घाट पर गंगा तट पर सुहागिनों ने धूमधाम से मनाया छठ पूजा पर्व, सूर्य देव को दिया अर्घ्य

फर्रुखाबाद। शहर के पांचाल घाट स्थित पवित्र गंगा तट पर छठ पूजा पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाओं ने गंगा किनारे पहुंचकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

छठ पूजा को लेकर पांचाल घाट पर सुबह से ही भक्तिमय माहौल नजर आया। महिलाओं ने गंगा तट पर पहुंचकर पूजा की तैयारियां कीं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सूर्य देव की आराधना की। श्रद्धालुओं ने गंगा मैया के तट पर दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की तथा सूर्य देव को अर्घ्य देकर परिवार की उन्नति, संतान की सुख-समृद्धि और सुखमय जीवन की प्रार्थना की।

पूरे गंगा तट पर छठी मैया के प्रति श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। पारंपरिक आस्था और धार्मिक मान्यताओं से जुड़े इस पर्व पर श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना कर छठी मैया और सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त किया।

दो बाइकों की टक्कर में मां-बेटा घायल, जिला अस्पताल रेफर

यूथ इंडिया, कमालगंज



कमालगंज थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमालगंज ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल लोहिया के लिए रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, ककरैया निवासी सुदेश पुत्र रामनरेश अपनी मां सूरजा देवी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान नगला दाऊद के पास साईं फिलिंग स्टेशन के समीप उनकी बाइक दूसरी बाइक से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुदेश और सूरजा देवी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को सीएचसी कमालगंज पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल लोहिया रेफर किया गया।

पुलिस ने घटना की जानकारी ली है। दूसरी बाइक के चालक के बारे में जानकारी की जा रही है।

सड़क किनारे फेंकी मिलीं सरकारी स्कूल की नई ड्रेस जैसी यूनिफॉर्म

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके शैक्षिक विकास के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। बच्चों को निःशुल्क यूनिफॉर्म सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी बजट निर्धारित किया जाता है, लेकिन फर्रुखाबाद की आवास विकास कॉलोनी में सामने आया एक मामला सरकारी व्यवस्थाओं और जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है।

आवास विकास कॉलोनी की मुख्य सड़क के किनारे नीले रंग की यूनिफॉर्म जैसी दिखाई देने वाली ड्रेस और अन्य कपड़े बिखरे पड़े मिले। इन कपड़ों की तस्वीरें सामने आने के बाद स्थानीय लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है। पहली नजर में कपड़े सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की नई यूनिफॉर्म जैसे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि ये कपड़े वास्तव में किसी सरकारी विद्यालय के लिए खरीदे गए थे या इनका किसी अन्य स्रोत से संबंध है।

यदि सड़क किनारे पड़े ये कपड़े सरकारी विद्यालयों के बच्चों के लिए आवंटित यूनिफॉर्म हैं, तो यह मामला सामान्य लापरवाही से कहीं अधिक गंभीर हो सकता है। सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी शिक्षा के लिए जरूरी सुविधाएं मिल सकें। इसके लिए सरकारी खजाने से धन खर्च किया जाता है। ऐसे में यदि बच्चों के लिए खरीदी गई सामग्री का इस्तेमाल होने के बजाय वह सड़क किनारे फेंकी जा रही है, तो यह सरकारी धन के उपयोग और उसकी निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

एक तरफ सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने, बच्चों को बेहतर शिक्षा देने और विद्यालयों की सुविधाएं सुधारने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सड़क किनारे नई ड्रेस जैसी सामग्री का बिखरा मिलना कई सवाल पैदा कर रहा है। आखिर ऐसी सामग्री की देखरेख कौन करता है? क्या इसके भंडारण और वितरण का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता?

प्रश्न आखिर किसने और क्यों फेंके कपड़े?

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि सड़क किनारे मिले कपड़े कहां से आए और इन्हें यहां किसने फेंका? क्या ये किसी विद्यालय में वितरण के लिए पहुंचाई गई यूनिफॉर्म हैं? क्या किसी स्तर पर इनका वितरण नहीं हो पाया? क्या कपड़ों को अनुपयोगी मानकर फेंका गया या फिर किसी अन्य कारण से इन्हें यहां डाला गया?

यदि ये सरकारी सामग्री है तो संबंधित विद्यालय, आपूर्ति करने वाली संस्था और वितरण व्यवस्था से जुड़े अभिलेखों की जांच आवश्यक है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि कपड़े किस मद से खरीदे गए थे, कितनी संख्या में खरीदे गए और उनका वितरण कहां किया जाना था।

मामले को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित शिक्षा अधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग की जा रही है।

विनय कटियार: राम जन्मभूमि आंदोलन से सत्ता के गलियारों तक

यूथ इंडिया, शरद कटियार

अब अयोध्या की सियासत में नई पारी की तैयारी









भारतीय राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान केवल उनके पद और चुनावी जीत से नहीं, बल्कि उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष, विचारधारा और आंदोलनों से बनती है। विनय कटियार ऐसा ही एक नाम हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनका सफर संगठनात्मक सक्रियता से शुरू होकर राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचा। राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे कटियार ने दशकों तक उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाए रखी।

11 नवंबर 1954 को कानपुर नगर की बिल्हौर तहसील के गाँव ददिखा में जन्मे विनय कटियार ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की। वर्ष 1970 से 1974 के बीच उन्होंने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाई। इसके बाद जयप्रकाश नारायण आंदोलन से जुड़े और वर्ष 1980 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने। वर्ष 1984 में बजरंग दल के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी राजनीतिक पहचान व्यापक हुई।

राम जन्मभूमि आंदोलन ने बनाई राष्ट्रीय पहचान

अयोध्या का राम जन्मभूमि आंदोलन विनय कटियार के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। वर्ष 1980 और 1990 के दशक में इस आंदोलन ने उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित किया। कटियार इस आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेताओं में रहे। बजरंग दल के माध्यम से युवाओं को संगठित करने में उनकी भूमिका रही और इसी दौर में उनका नाम राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुआ।

अयोध्या आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों और बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में भी उनका नाम सामने आया था। इस मामले में वह आरोपित 32 व्यक्तियों में शामिल थे, जिन्हें वर्ष 2020 में विशेष सीबीआई अदालत ने बरी कर दिया था। यह उनके राजनीतिक जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक प्रसंग है।

तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का सफर

विनय कटियार की राजनीतिक स्वीकार्यता का एक महत्वपूर्ण आधार उनका संसदीय सफर रहा। वह 1991, 1996 और 1999 में फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए। इसके बाद 2006 से 2018 तक दो कार्यकाल में राज्यसभा सदस्य रहे।

वर्ष 2002 में उन्हें उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने जुलाई 2004 तक यह जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में भी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनका राजनीतिक सफर यह बताता है कि संगठनात्मक राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले नेताओं की पहचान केवल चुनावी परिणामों से नहीं बनती, बल्कि उनके कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय संपर्कों से भी जुड़ी रहती है।

राजनीतिक विराम के बाद फिर सक्रियता की चर्चा

पिछले कुछ वर्षों में विनय कटियार की सक्रियता अपेक्षाकृत सीमित दिखाई दी, लेकिन 2025 के अंतिम महीनों और 2026 की शुरुआत में अयोध्या में उनकी राजनीतिक गतिविधियों की चर्चा फिर तेज हुई। उनके आवास पर समर्थकों और पुराने राजनीतिक सहयोगियों की मुलाकातों ने उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दिया।

22 दिसंबर 2025 को उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। इसके बाद अयोध्या में भी राजनीतिक संपर्क और बैठकों की खबरें सामने आईं।

6 जनवरी 2026 को विनय कटियार ने पत्रकारों से बातचीत में 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने अयोध्या को अपनी कर्मभूमि बताया। हालांकि चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा और भाजपा की ओर से आधिकारिक उम्मीदवारी की घोषणा अलग-अलग विषय हैं। अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है।

2027 की राजनीति में क्या होगा महत्व?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच विनय कटियार की सक्रियता को कई राजनीतिक संदर्भों में देखा जा रहा है। अयोध्या की राजनीति में उनका पुराना संगठनात्मक आधार, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी पहचान और क्षेत्र के पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क उनके राजनीतिक पुनर्सक्रिय होने के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज की अयोध्या की राजनीति पहले के दौर से अलग है। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव आया है। ऐसे समय में पुराने आंदोलनकारी नेताओं की भूमिका और वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व के साथ उनका तालमेल चर्चा का विषय बनना स्वाभाविक है।

कटियार की संभावित चुनावी पारी को लेकर राजनीतिक विश्लेषण के कई आधार हो सकते हैं, लेकिन इसका वास्तविक स्वरूप आने वाले समय में पार्टी के निर्णय, स्थानीय राजनीतिक समीकरण और जनता के मुद्दों से तय होगा।

विनय कटियार का राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में आंदोलन आधारित राजनीति से लेकर संसदीय और संगठनात्मक राजनीति तक के बदलावों का साक्षी रहा है। उन्होंने जिस दौर में अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, उस दौर के मुद्दे और परिस्थितियां आज के दौर से काफी अलग हैं।

अब उनके सामने चुनौती केवल पुरानी पहचान को दोहराने की नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण में अपनी प्रासंगिकता स्थापित करने की भी होगी। अयोध्या के मतदाताओं के लिए विकास, रोजगार, बुनियादी सुविधाएं, व्यापार, पर्यटन और स्थानीय समस्याएं भी महत्वपूर्ण विषय हैं।

विनय कटियार का नाम भारतीय राजनीति के उस अध्याय से जुड़ा है, जिसमें आंदोलन, संगठन और विचारधारा ने राजनीतिक दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले इस नेता का राजनीतिक सफर कई पीढ़ियों के लिए अध्ययन का विषय है।

अब सबकी निगाहें इस बात पर रहेंगी कि 2027 में अयोध्या की राजनीति में उनकी भूमिका किस रूप में सामने आती है। क्या वह फिर चुनावी मैदान में उतरेंगे और क्या उनकी पुरानी राजनीतिक पहचान नए दौर में भी प्रभावी भूमिका निभा पाएगी? इन सवालों का जवाब आने वाला राजनीतिक समय देगा।

विनय कटियार की संभावित वापसी केवल एक नेता की चुनावी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति में पुराने राजनीतिक चेहरों की भूमिका और प्रासंगिकता को समझने का भी एक अवसर है।